संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 64
पृष्ठ 8
शनिवार
21 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खड़े रहकर करें आसान योगासन

विचार- आर्थिक संकट का सच

खेल- दिल्ली कैपिटल्स ने जयवर्धने को सौंपी...

माफिया के बाद अब नशे के सौदागरों को करेंगे तबाह

सीएम ने किया बड़े अभियान का ऐलान

- प्रदेश में नौकरियों की कोई कमी नहीं
- फीड नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल करें युवा

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया और संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के बाद अब प्रदेश सरकार नशे के सौदागरों को तबाह करेगी। इसके लिए निर्णायक अभियान शुरू होगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल व रोजगार पर लगाने का आह्वान किया। सपा के जुलूस के मसूम की हत्या का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले सपा के गुंडों को कुचल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के 50 हजार से अधिक



छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरण की शुरुआत की। 23 विद्यार्थियों को उन्होंने स्वयं टैबलेट दिए। मुख्यमंत्री ने दो दिन पहले गोरखपुर में सपा के जुलूस के दौरान दसवीं के छात्र की मौत का जिक्र करते हुए घटना को प्रदेश की पहचान पर काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि अपनी छोटी बहन को स्कूल से लेने जा रहा छात्र चौरी-चौरा के क्रांतिकारी पूजन सिंह का प्रपौत्र था। योगी ने कहा कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले तत्वों को पूरी तरह कुचल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एंप्लॉयमेंट जोन बनाया जाएगा। यहां जापानी और जर्मन भाषा समेत विभिन्न कौशल का प्रशिक्षण देकर युवाओं को देश-विदेश की कंपनियों से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। सरकार पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। 8 हजार लेखपाल, 32 हजार पुलिसकर्मी और 42 हजार से अधिक होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब 26 जनवरी तक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले भर्ती परीक्षाओं में 'मुन्ना भाई' और 'सैफई सिंडिकेट' का बोलबाला था, लेकिन अब टैलेंट के आधार पर तेजी से नियुक्तियां हो रही हैं। योगी ने कहा कि युवा फीड नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने में 30 सेकंड लगाने के बजाय स्किलिंग पर तीन घंटे दें।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का एक्शन, पूर्व विधायक नायक और उनकी कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को तेलंगाना की पूर्व विधायक अजमेरा रेखा नायक द्वारा प्रचारित एक कंपनी के आवासीय और कार्यालय परिसरों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई 40 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी धान के भंडार के कथित गबन से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में की गई। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तेलंगाना के निर्मल जिले में की गई इस कार्रवाई के दौरान अब तक करीब 30 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। हालांकि, नकदी की बरामदगी किस स्थान से हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। नायक पहले खानापुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। ईडी का मामला अगस्त में नायक और उनकी स्वामित्व वाली फर्म एआरएस इंडस्ट्रीज के खिलाफ राज्य पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी में 40.96 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी धान के भंडार के साथ धोखाधड़ी करने और उसका गबन करने का आरोप लगाया गया है।

एससीओ सभ्यता संवाद: पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

- संगठन का प्रमुख उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी चुनौतियों से मिलकर मुकाबला करना



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ सभ्यता संवाद के दौरान आयोजित प्रदर्शनी का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय परंपरा, संस्कृति और विरासत से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को देखा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में 10 पूर्ण सदस्य देश शामिल हैं, जो दुनिया की करीब 42 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। संगठन का प्रमुख उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी चुनौतियों से मिलकर मुकाबला करना है। एससीओ सभ्यता संवाद का आयोजन सदस्य देशों के बीच सभ्यताओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को साझा करने तथा आपसी समझ बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। इस संवाद का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा था।

पीएम मोदी को दिखाई गई 2,100 साल पुराने इतिहास की झलक

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेजर तकनीक के माध्यम से पुराने किले की खुदाई और दिल्ली के करीब 2,100 साल पुराने इतिहास की झलक दिखाई गई। अस्तित्व नाम की इस विशेष प्रदर्शनी में 10×10 मीटर के खुदाई स्थल को केंद्र में रखा गया है। लेजर इफेक्ट के जरिए खुदाई में मिले पुरातात्विक साक्ष्यों और अलग-अलग ऐतिहासिक कालखंडों की जानकारी प्रस्तुत की गई। यहां मौर्य काल से मुगल काल तक के अवशेषों के साथ चित्रित धूसर मृदभांड (पेंटेड ग्रे वेयर), 1328 ईस्वी का संस्कृत शिलालेख भी प्रदर्शित किया गया है, जिसमें दिल्ली का उल्लेख इंद्रप्रस्थ के रूप में मिलता है। इसके अलावा, अश्वमेध यज्ञ को दर्शाने वाली कलाकृति, कुषाण काल के चार कमरों वाले मकान का मॉडल और प्राचीन व्यापारियों के सिक्के भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन सभ्यता, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन, पैतृक गांव पहुंचे आज होगा अंतिम संस्कार

देहरादून, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का आज 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार सुबह 11 बजे पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों



में शोक है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। खबर मिलते ही सीएम योगी पैतृक गांव पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपनी मां से आखिरी मुलाकात इसी साल मई में हुई थी। वह अपने दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर 7 मई को पैतृक गांव पंचूर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गांव में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और परिजनों से मुलाकात की। 8 मई को कार्यक्रमों के बाद वह अपने पैतृक आवास पहुंचे, जहां उन्होंने मां सावित्री देवी का आशीर्वाद लिया था। सीएम योगी का अपने पैतृक गांव और परिवार से गहरा जुड़ाव रहा है। हालांकि, संन्यास लेने के बाद उनकी पारिवारिक मुलाकातें सीमित रही हैं। इस साल मई में मां से हुई यह मुलाकात उनकी आखिरी मुलाकात बन गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन के बाद उनके सभी पूर्व निर्धारित

स्नेही साहित्यकार सम्मान 2026-

वरिष्ठ साहित्यकार केशव सक्सेना एवं वरिष्ठ साहित्यकार संगीता श्रीवास्तव सम्मानित







प्रयागराज। स्नेही काव्य मंच द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला 'स्नेही साहित्यकार सम्मान' इस वर्ष हिन्दुस्तानी एकेडमी के सभागार में एक सम्मान समारोह में प्रयागराज के वरिष्ठ साहित्यकार केशव सक्सेना एवं वरिष्ठ साहित्यकार संगीता श्रीवास्तव को दिया गया। जिसकी अध्यक्षता मारूफ़ शायर अनवार अब्बास नकवी ने किया। मुख्य अतिथि प्रो. रवि कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि डॉ प्रदीप चित्रांशी, जनकवि प्रकाश एवं समाज शेखर रहे। संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया।

आयोजन का शुभारंभ माँ वीणापाणी की वंदना से हुआ। इसकी शानदार प्रस्तुति रचना सक्सेना एवं गीता सिंह ने दी। उसके पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार अशोक स्नेही की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए सभी ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की संयोजिका एवं स्नेही जी की पुत्री ने अपने पिता की रचनाधर्मिता पर अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात एक काव्यगोष्ठी हुई जिसमें शहर के अनेक कवि कवयित्रियों नें अपनी रचनाएँ प्रस्तुत की जिसमें प्रीता बाजपेयी, सुनील दानिश, संजय सक्सेना, इंदु प्रकाश मिश्र, नजर इलाहाबादी, अशोक श्रीवास्तव, रंजन पाण्डेय, बाल पाल प्रयागी, ब्रमाणी तिवारी, दीक्षा मिश्रा, शाहीन खुशबू, डॉ वीरेन्द्र तिवारी आदि अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।आभार ज्ञापन मनीष कुमार ने किया।

बृजभूषण शरण सिंह ने राउज एवेन्यू कोर्ट की सेशन कोर्ट में जवाब दाखिल किया, महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का मामला

नयी दिल्ली,एजेंसी। महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट से बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील के मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने राउज एवेन्यू कोर्ट की सेशन कोर्ट में अपना जवाब दाखिल कर दिया है। अदालत ने अपीलकर्ता महिला पहलवानों की ओर से दलीलें सुनने के लिए 27 और 28 नवंबर की तारीख तय की है। वहीं, कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह की ओर से दलीलें सुनने के लिए 5 और 9 दिसंबर की तारीख तय की है। चार महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को यौन उत्पीड़न के मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट से बरी किए जाने के फैसले को सेशन कोर्ट में चुनौती दी है। तोमर को आपराधिक धमकी के आरोप में बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। अपील करने वालों ने कहा है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला कानून के हिसाब से टिकने लायक नहीं है और रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों का सही तरीके से आकलन नहीं किया गया है। 3 अगस्त को दिए गए फैसले में एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने सिंह और तोमर को बरी कर दिया, यह कहते हुए कि प्रॉसिक्यूशन उनके खिलाफ आरोपों को बिना किसी शक के साबित करने में नाकाम रहा है। यह मामला जनवरी 2023 का है, जब ओलंपियन विनेश फोगट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया समेत कई पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें सिंह पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकी देने का आरोप लगाया गया था। पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई चीफ के पद से सिंह के इस्तीफे की मांग की थी और फेडरेशन को खत्म करने की मांग की थी। इस विवाद के बाद इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एक जांच कमेटी बनाई। इसके बाद केंद्रीय खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई के कामकाज को निलंबित कर दिया। मई 2024 में, राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और पांच महिला पहलवानों के सम्मान को ठेस पहुंचाने के संबंध में आरोप तय किए।

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

राजापुर के मकान में मिला प्रतियोगी छात्र का शव, दो साल से कर रहा था तैयारी

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक छात्र की मौत से हड़कंप मच गया। राजापुर स्थित एक मकान में बृहस्पतिवार देर रात उसका शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र मूल रूप से जौनपुर का रहने वाला था और दो साल से प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।

प्रयागराज के कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित एक मकान में बृहस्पतिवार देर रात प्रतियोगी छात्र का शव मिला। उसकी पहचान जौनपुर के सिकरारा थाना क्षेत्र के हसौली निवासी रोहन जायसवाल (23) के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात करीब 11रू30 बजे मकान में छात्र का शव मिलने की सूचना मिली थी। रोहन पिछले दो वर्षों से राजापुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पुलिस का कहना है कि परिजन शुरुआत में पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार नहीं थे। हालांकि, पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत

प्रयागराज। सैनी कोतवाली के पहाड़पुर गांव के पास बुधवार को बेकाबू बाइक की टक्कर से सड़क पार कर रही वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। बृहस्पतिवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्षेत्र के सैय्यद राजेपुर गांव निवासी सुबीर यादव ने सैनी पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि मां सावित्री देवी (68) पहाड़पुर चौराहे के नजदीक नेशनल हाईवे पार कर रही थी। इस दौरान कानपुर से प्रयागराज लेन पर आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दिया, जिसमे सावित्री देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगो की सूचना पर इलाज के लिए नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने प्रयागराज रेफर कर दिया।

रास्ते में सावित्री देवी की मौत हो गई। पीड़ित की शिकायत पर सैनी पुलिस ने औपचारिकता पूरी कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और अज्ञात बाइक चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गिरा, गई जान

प्रयागराज। महेवाघाट क्षेत्र में बुधवार की रात अज्ञात चारपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। फतेहपुर जनपद के कल्यानपुर थाना क्षेत्र के पलवा गांव निवासी दीपक सिंह (36) पुत्र सोहन सिंह बुधवार 18 नवंबर की शाम बाइक से राजापुर गए थे। रात करीब आठ बजे वह बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान एचपी पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दीपक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल दीपक को जिला चिकित्सालय मंझनपुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया कि उनका दम रास्ते में ही टूट गया होगा। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवारीजन रोने–बिलखने लगे। मृतक के पिता सोहन सिंह की तहरीर पर महेवाघाट पुलिस ने 19 नवंबर को अज्ञात चारपहिया वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक नितेश कुमार त्रिपाठी को सौंपी गई है।

सड़कों की मरम्मत में 19 करोड़ रुपये स्वाहा, फिर भी हिचकोले खा रहे वाहन

प्रयागराज। बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की पैचिंग का काम नगर निगम की तरफ से लगभग पूरा हो गया है। जिसमें करीब पांच करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। मगर फिर भी शहर की कई सड़कें बदहाल बनी हुई हैं। इस सड़कों के गड्ढों में गाड़ियां हिचकोले खा रही हैं। इनमें नवाब युसुफ रोड में हाईकोर्ट पानी टंकी से लेकर वाल्मीकि चौराहा तक, मेडिकल चौराहे से रामबाग आरओबी तक, पत्रिका चौराहा, खुल्दाबाद सहित कई अन्य मार्ग की सड़कें अभी भी उधड़ी हुई हैं। इन सड़कों पर छोटे–बड़े गड्ढे आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। यहां तक कि गड्ढों से खुद को बचाने के लिए लोग आड़ा–तिरछा वाहन निकालते हैं, जिससे जाम की समस्या खड़ी हो जाती है। खासतौर से स्कूल छूटने पर इन सड़कों से होकर गुजरना टेढ़ी खीर है। बता दें कि नगर निगम की फाइलों में दशहरा से पहले शहर की करीब 100 किलोमीटर की सड़क पर पैचअप कार्य किया गया है। हिम्मतगंज, चौफटका, पुलिस लाइन, नवाब युसुफ रोड, हनुमान मंदिर चौराहा, हॉट स्टेप के पास, राजरूपपुर व करबला सहित कई ऐसे मार्गों पर पैचिंग कार्य किए गए हैं। मगर कई जगह पैचिंग कार्य को आधे–अधूरे तरीके से किया गया है।

पैचिंग कार्य अभी भी चल रहे हैं। इनमें नवाब युसुफ रोड सहित कई अन्य मार्गों की पैचिंग 24 घंटे के भीतर कर दी जाएगी। पीडब्ल्यूडी की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम भी नगर निगम ही करेगा। इसके अलावा लाउदर रोड से लेकर रामबाग आरओबी के नीचे की पूरी सड़क का नए सिरे से निर्माण किया जाएगा। जिसमें सीवर का कार्य भी होना है। नगर निगम की तरफ से इस प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। सीलम साई तेजा, नगर आयुक्त

जमीन के विवाद में जानलेवा हमला, पांच महीने बाद एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाने में बरावां गांव के अरविंद कुमार ने पैतृक भूमि पर अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। करीब पांच महीने पहले हुए इस मामले में कोर्ट के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज हुई है। एफआईआर के मुताबिक अरविंद कुमार ने बताया कि बरावां गांव के ही पिंटू गौतम, दिनेश गौतम, रिंकू गौतम और मुन्नालाल उर्फ पहाड़ी उसकी पैतृक भूमि पर कब्जा करने और गांव छोड़ने के लिए लगातार धमका रहे हैं। आरोपियों ने पहले छह जून की रात करीब 11 बजे नशे की हालत में चचेरे भाई ढंगू के घर आकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लाठी–डंडों से घर पर हमला किया। अगले दिन सुबह आठ बजे फिर लाठी, डंडे और रॉड से ढंगू के परिवार को पीटा। पुलिस को सूचना देते देख अरविंद कुमार पर भी हमला कर दिया। लोहे की रॉड से वार किए जाने से अरविंद की दाहिने हाथ की हड्डी टूट गई थी और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोटें आईं थी। लिखित शिकायत देने के बावजूद पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही थी।

बेटी की शादी से पहले पिता की मौत, 26 दिन में उजड़ गया परिवार

प्रयागराज। जिस घर में बेटी की शादी की शहनाइयां बजने वाली थीं, वहां एक दिन पहले ही चीख–पुकार मच गई। बरात के स्वागत की तैयारियों में जुटे पिता की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। परिवार पहले



ही पत्नी और छोटे भाई को खो चुका था। महज 26 दिनों में तीन मौतों ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया।

बेटी की शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। जिस घर में बरात के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं, वहां अचानक चीख–पुकार मच गई। बेटी की शादी से ठीक एक दिन पहले देर रात ट्रक की चपेट में आने से पिता की दर्दनाक मौत हो गई। एक के बाद एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सबसे दुखद यह है कि महज 26 दिनों के भीतर परिवार ने पत्नी, छोटे भाई और अब घर के मुखिया को खो दिया।

हंडिया थाना क्षेत्र की इमामगंज पुलिस चौकी अंतर्गत जरांव विझवनियापुर गांव निवासी 42 वर्षीय रामनरेश यादव पुत्र झरियक यादव अपनी बेटी पूनम की शादी की तैयारियों में जुटे थे। 19 नवंबर को उनकी बेटी की शादी सुभाष नगर के बेलापुर निवासी छोटे लाल यादव के पुत्र शुभम यादव से तय थी। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार देर रात रामनरेश शादी की तैयारियों के बीच कुछ जरूरी सामान लेने गांव के चौराहे की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान गांव से गुजर रहे एक ट्रक की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रक को आगे रुकवा लिया। परिजनों के अनुसार, पुलिस ने ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घर में विवाह की तैयारियों की जगह मातम छा गया।

पहले पत्नी, फिर भाई और अब पिता का छूटा साथ

रामनरेश के परिवार पर दुखों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा था। बीते 24 अक्तूबर को उनकी पत्नी नगीना देवी की हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। परिवार इस सदमे से उबरने की कोशिश कर ही रहा था कि 18 नवंबर को छोटे भाई राकेश यादव की बीमारी के चलते मौत हो गई।

अभी भाई की मौत के सदमे से परिवार उबर भी नहीं पाया था कि देर रात रामनरेश भी हादसे का शिकार हो गए। महज 26 दिनों के भीतर परिवार के तीन सदस्यों को खोने से पूरा परिवार टूट गया है।

बेटी की डोली से पहले उठी पिता की अर्थी

पिता रामनरेश ने बेटी पूनम की शादी को लेकर कई सपने संजोए थे। उनकी इच्छा थी कि बेटी को दुल्हन बनाकर पूरे रीति–रिवाज के साथ विदा करें। उन्होंने बेटी की शादी के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी थीं, लेकिन किसे पता था कि जिस घर में बरात के स्वागत की तैयारियां चल रही हैं, उसी घर से बेटी की विदाई से पहले पिता की अर्थी उठेगी। जिस आंगन में विवाह के मंगलगीत गूंजने थे, वहां अब अपनों के बिछड़ने का दर्द है। बेटी की शादी से ठीक एक दिन पहले पिता का साया उठ जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।

एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

घटना के बाद जरांव विझवनियापुर गांव में शोक का माहौल है। आसपास के ग्रामीण और रिश्तेदार पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। लगातार तीन मौतों ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। ग्रामीण इस घटना को लेकर बेहद दुखी हैं। बेटी की शादी से ठीक पहले पिता का साया उठ जाना पूरे गांव को भावुक कर गया। रामनरेश का अपनी बेटी को दुल्हन बनाकर विदा करने का सपना हमेशा के लिए अधूरा रह गया।

पुलिस ने ट्रक और चालक को लिया हिरासत में

इस संबंध में कोतवाल हंडिया ओमप्रकाश ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल में जुटी है।

हाईकोर्ट: पीड़िता की अकेले गवाही दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त, अन्य गवाहों की पुष्टि जरूरी नहीं

प्रयागराज। दुष्कर्म के मामले में यदि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद है तो दोषसिद्धि के लिए अन्य गवाहों की पुष्टि अनिवार्य नहीं है। अदालत केवल पीड़िता की गवाही के आधार पर भी आरोपी को दोषी ठहरा सकती है।

दुष्कर्म के मामले में यदि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद है तो दोषसिद्धि के लिए अन्य गवाहों की पुष्टि अनिवार्य नहीं है। अदालत केवल पीड़िता की गवाही के आधार पर भी आरोपी को दोषी ठहरा सकती है। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए दुष्कर्म के मामले में आरोपी की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से सुनाई गई चार साल की सश्रम कैद की सजा बरकरार रखी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद



की एकलपीठ ने दिया है।

मामले के अनुसार, 10 जुलाई 1982 को पीड़िता मवेशी चराने जंगल गई थी। आरोप था कि वहां रामराज उर्फ लाला ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने हथगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

फतेहपुर के तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश ने 1984 को आरोपी को आईपीसी की धारा 376 के तहत दोषी करार देते हुए चार साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। बचाव पक्ष ने पीड़िता के बयानों में विरोधाभास, चिकित्सकीय साक्ष्य में कमी और पुरानी रंजिश में झूठा फंसाने की दलील दी।

कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वास योग्य है और उसे घायल गवाह की गवाही के समान महत्व दिया जाना चाहिए। गवाहों की संख्या नहीं, बल्कि उनके साक्ष्य की विश्वसनीयता महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने अभियोजन के साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोषसिद्धि और सजा बरकरार रखी। साथ ही आरोपी को 15 दिन के भीतर ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

ट्यूमर में 400 बालों के गुच्छे...नौ घंटे सर्जरी के बाद मिला नया जीवन

प्रयागराज। शहर के एक निजी अस्पताल में 15 वर्षीय किशोरी की रीढ़ की हड्डी में मौजूद 33 मिलीमीटर के विशालकाय ट्यूमर की जटिल सर्जरी हुई है। जटिलता ये थी कि ऑपरेशन के दौरान ट्यूमर में 400 बालों के गुच्छे मिले। जांच के दौरान सिर्फ ट्यूमर की ही पहचान हुई थी। ऑपरेशन करते समय ट्यूमर के भीतर बालों के गुच्छे मिले तो डॉक्टरों के सामने नई चुनौती पेश हुई। अनुमानित चार घंटे की सर्जरी में नौ घंटे लगे।

ऑपरेशन करने वाले वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. प्रकाश खेतान ने इस सर्जरी को लिम्का बुक व गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में भेजने की बात कही है। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर निवासी सृष्टि को पिछले दो साल से कमर में दर्द की शिकायत थी। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य दर्द समझकर मालिश और सिकाई कराई। एक्सरे में भी कोई असामान्यता नहीं दिखी। धीरे–धीरे उसे लंबे समय तक बैठने में परेशानी होने लगी। इसके बाद दोनों हाथों में झुनझुनी, रात में बार–बार नींद टूटने और स्कूल जाने में कठिनाई जैसी समस्याएं शुरू हो गईं।

स्थिति तब गंभीर हुई, जब किशोरी का पेशाब पर नियंत्रण खत्म होने लगा। न्यूरोसर्जन से परामर्श लेकर एमआरआई कराई गई, जिसमें रीढ़ की हड्डी के एल–2 से एस–1 तक फैला बड़ा स्पाइनल एपिडर्मॉइड ट्यूमर मिला। ट्यूमर स्पाइनल कॉर्ड के अंतिम हिस्से कोनस मेडुलैरिस और नीचे मौजूद कॉडा इक्विना की नसों से बुरी तरह चिपका हुआ था। इन नसों का संबंध पैरों की गतिविधियों और पेशाब–मल पर नियंत्रण से होता है।

ऐसे में ऑपरेशन के दौरान नसों को नुकसान पहुंचने पर किशोरी के पैरों में कमजोरी या ब्लैडर–बॉवेल नियंत्रण खोने का खतरा था।

ट्यूमर से निकाला एक–एक बाल

आखिरकार 16 नवंबर की सुबह करीब नौ बजे सर्जरी शुरू हुई। हैरानी तब हुई, जब ट्यूमर के भीतर से बालों का गुच्छा दिखा। इस प्रकार का मामला चिकित्सकों के सामने पहली बार आया था। डॉक्टरों ने सबसे पहले रीढ़ की पांच हड्डियों को सुरक्षित तरीके से हटाकर ट्यूमर तक पहुंच बनाई। ट्यूमर के भीतर से हड्डी और कार्टिलेज के टुकड़े के अलावा पीले रंग का पदार्थ निकाला। नसों को बचाने के लिए पहले ट्यूमर को अंदर से छोटा किया गया। इसके बाद एक–एक करके 400 बाल निकाले। इन बालों को निकालने में चार घंटे से अधिक समय लगा। फिर बेहद सावधानी से ट्यूमर को नसों से अलग किया गया। टीम में डॉ. सुषमा केदान, डॉ. ओपी वर्मा, डॉ. जीपी मिश्रा, डॉ. अरुण और डॉ. मनीष शामिल रहे।

क्या है स्पाइनल एपिडर्मॉइड ट्यूमर

रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कैनाल) के भीतर बनने वाली एक दुर्लभ, गैर–कैंसरयुक्त और बहुत धीमी गति से बढ़ने वाली गांठ या सिस्ट है। इसे मेडिकल भाषा में स्पाइनल एपिडर्मॉइड सिस्ट कहा जाता है।

यह जन्मजात विकृति से जुड़ा दुर्लभ मामला है, जिसमें भ्रूण के विकास के दौरान त्वचा से संबंधित कोशिकाएं स्पाइनल कॉर्ड के भीतर पहुंच सकती हैं। इस मामले ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि लंबे समय तक बने रहने वाले कमर दर्द, हाथ–पैरों में झुनझुनी और पेशाब पर नियंत्रण में बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। –डॉ. प्रकाश खेतान, न्यूरो सर्जन

पारुल विवि संग प्रयागराज के विश्वविद्यालयों ने किए दो समझौते

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा का भ्रमण किया। साथ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी थे। इस अवसर पर पारुल विवि और प्रयागराज के दोनों विश्वविद्यालयों के बीच दो एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के साथ संयुक्त शोध, संकाय आदान–प्रदान, संयुक्त पाठ्यक्रम, मुक्त शैक्षणिक संसाधन, एमओओसीएस और तकनीक साझा करने पर सहमति बनी। रज्जू भय्या विवि के साथ शोध, नवाचार, संकाय विकास, पाठ्यक्रम विकास, शिक्षण सामग्री आदान–प्रदान और सेमिनार–कार्यशाला में सहभागिता का ढांचा तय हुआ।

महिलाओं की समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करें : रहाटकर

प्रयागराज। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई की। इस दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार के संदेश के साथ 50 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें 30 पूर्व–पंजीकृत और 20 वहीं पर की गई शिकायतें थीं। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को महिलाओं की समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा।

जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, पारिवारिक झगड़े, संपत्ति विवाद और कार्यालयों में गलत बर्ताव के मामले सामने आए। रहाटकर ने दो गंभीर मामलों में पुलिस अधिकारियों को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। इनमें एक नाबालिग से संबंधित पॉक्सो अधिनियम का मामला और दूसरा अपहरण का मामला था। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के वन स्टॉप सेंटर में गड़बड़ियों से संबंधित शिकायतों की जांच कराई जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय और संवेदनशीलता के साथ महिलाओं से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करें।

इस दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान और सदस्य गीता विश्वकर्मा भी उपस्थित रहीं। साथ ही अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह, प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह और जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई के बाद रहाटकर ने जिले के अलग–अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें महिलाओं के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा हुई। रहाटकर ने कहा कि साल 2030 तक बाल विवाह पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए कोशिश की जानी चाहिए।

अब शास्त्री डिग्रीधारी भी टीजीटी के लिए कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज। प्रदेश के एडेड कॉलेजों में टीजीटी भर्ती प्रक्रिया में नई योग्यता को भी शामिल कर लिया गया है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से शास्त्री (संस्कृत) कर चुके अभ्यर्थी भी अब टीजीटी के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए– बीएड या बीएससी–बीएड योग्यताधारी अभ्यर्थियों को भी आवेदन में मौका मिलेगा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर इन अर्हताओं का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि शासन के आदेश और आयोग के निर्णय के बाद यह विकल्प अभ्यर्थियों को प्रदान किया गया है। सहायक अध्यापक (टीजीटी) के लिए 23 अक्तूबर को विज्ञप्ति प्रकाशित की गई थी। उस समय संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से शास्त्री (संस्कृत) योग्यताधारी अभ्यर्थियों को आवेदन का विकल्प नहीं मिल रहा था। इसी तरह, चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए बीएड/बीएससी बीएड कोर्स के अभ्यर्थियों के लिए भी विकल्प प्रदर्शित नहीं हो रहा था। आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि शासन के आदेश के अनुपालन में यह बदलाव किया गया है। बता दें कि 17,735 पदों के लिए चयन आयोग की ओर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 23 नवंबर है जबकि परीक्षा 23 और 24 दिसंबर को प्रस्तावित है।

आयोग अब डिजिलॉकर से कराएगा आवेदन व प्रमाण–पत्रों का सत्यापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) प्रतियोगी छात्रों की सहूलियत के लिए बड़ा बदलाव करने जा रहा है। सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन व प्रमाण पत्र डिजिटल मोड में किए जाने का निर्णय लिया गया है। सभी प्रमाण पत्रों का सत्यापन डिजिलॉकर से खुद ही हो जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करता है तो वह सीधे डिजिलॉकर से कनेक्ट होगा और सभी शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन आसानी से होगा सकेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत ने बृहस्पतिवार को बताया कि छह महीने बाद केवल डिजिटल माध्यम से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

सभी अभिलेखों का सत्यापन डिजिलॉकर के जरिये किए जाएंगे। इस नई व्यवस्था से अभ्यर्थियों को सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय करके आयोग में सत्यापन के लिए नहीं आना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्रों की त्रुटियों के कारण पहले सैकड़ों मुकदमे होते थे।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष ने इसे गंभीरता से लिया। पिछले पांच वर्षों की बात करें तो आयोग ने 800 से अधिक विषय विशेषज्ञों को डिबार कर दिया है। इसका परिणाम यह हुआ कि पहली बार पीसीएस–2025 में एक भी गलत नहीं हुआ।

100 मीटर दौड़ में वैभव प्रथम

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की वार्षिक खेल स्पर्धा का पुरस्कार वितरण समारोह बृहस्पतिवार को आयोजित हुआ। इसमें 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में वैभव यादव ने पहला स्थान प्राप्त किया। कुलपति संगीता श्रीवास्तव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। कुलसचिव आशीष खरे और डीन अरुण जेटली व एसआई रिजवी ने भी प्रमाण पत्र दिए। बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में निधि विजेता रहीं। लंबी कूद में कृष्णा गुप्ता और रोशनी ने जीत हासिल की। कबड्डी में कला संकाय की छात्राओं और बालक वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान पाया। साइकिलिंग में शिक्षक धनंजय यादव और शीलू ने पहला स्थान प्राप्त किया। शतरंज में बादल और श्वेता सिंह ने भी जीत दर्ज की। कुलपति संगीता श्रीवास्तव ने खेलों को मानसिक और शारीरिक विकास के लिए जरूरी बताया। सह–खेल निदेशक सर्वश्रेष्ठ धामी ने खिलाड़ियों के स्वास्थ्य पर जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने एसजीपीजीआई लखनऊ से समझौता किया है। इसके तहत खिलाड़ियों को पीजीआई में इलाज में प्राथमिकता मिलेगी और पहले दिन का पूरा खर्च पीजीआई वहन करेगा। खिलाड़ियों को तीन सदनों विज्ञान संकाय (लाल), कला संकाय (नीला) और वाणिज्य व विधि संकाय (पीला) में बांटा गया है। इन सदनों के बीच अंतर–सदनीय खेल प्रतियोगिताएं होंगी।

लक्ष्मण रेखा बनी स्वरूप व सत्यभामा की खींची लकीर

प्रयागराज। इंदिरा मैराथन में स्वरूप सिंह व सत्यभामा ने गति की जो लक्ष्मण रेखा खींची, उसे अब तक कोई धावक पार नहीं कर सका। स्वरूप सिंह का 37 साल और सत्यभामा का 28 साल पुराना रिकार्ड अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन के 31वें संस्करण में भी अटूट रहा। वर्ष 1985 से शुरू हुई पुरुष वर्ग की इंदिरा मैराथन में इस बार भी धावकों के सामने पुराने रिकार्ड को ध्वस्त करने की बड़ी चुनौती थी। स्वरूप सिंह ने मैराथन के दूसरे संस्करण 1985–86 में दो घंटे 13 मिनट 57 सेकंड में मैराथन पूरी की थी जबकि इस बार के विजेता प्रदीप चौधरी ने दो घंटे 22 मिनट एक सेकंड में लक्ष्य पूरा किया। वह रिकॉर्ड से काफी पीछे रह गए। वहीं, महिला वर्ग में वर्ष 1995 तक हॉफ मैराथन का आयोजन हुआ। वर्ष 1996 से पूरी मैराथन का आयोजन शुरू किया गया।

हर जरूरतमंद का बनेगा आयुष्मान कार्ड– योगी



- सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं
- लोगों को दिया भरोसा, विवेकाधीन कोष से भी उपलब्ध कराएंगे सहायता राशि

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उपचार कराने में पूरी मदद करेगी। हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का हस्तगत किया। निर्देशित किया आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि बीमारी की स्थिति में उनका निर्बाध उपचार हो सके।शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे चिंता न करें, सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने मामलों के निस्तारण के लिए प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और कि समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में जमीन कब्जा करने से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में विधिसंगत सख्त कार्रवाई की जाए। प्रातःकाल महायोगी गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से रोटी व गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। उन्होंने भोलू नामके बछड़े और छुटकी नाम की बछिया को आवाज देकर बुलाया और उन्हें दुलारा। गोशाला में रोटी–गुड़ खिलाने के दौरान गोवंश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सानिध्य पाकर निकट आने के लिए उतावले होने लगे। समझाया, 'अपनी जगह पर ही मुख्यमंत्री ने प्यार से उन्हें रहो नहीं तो चोट लग जाएगी।'

सच्चा मानव धर्म है

(छप्पय)

हँसते गाते लोग न अपनी पीड़ा कहते।
बन दूजे की छाँव धूप को पीते रहते।
भीतर जलती आग शान्त बाहर से रहती।
मगर न अपनी बात कभी अपनों से कहती।
भीतर से टूटे हुए बाहर से चट्टान हैं।
ऐसे निश्चल लोग ही अनुपम हरि–वरदान हैं।।

हर उलझन के बीच चल रहे रीते रीते।
सिसकी को संगीत बनाकर वे हैं जीते।
देकर सबका साथ हमेशा वे मुश्किल में।
मानवता की ज्योति जलाते सबके दिल में।
ऐसा पावन त्याग ही सच्चा मानव धर्म है।
परहित में सुख ढूँढना जीवन–श्रेष्ठ सुकर्म है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2026 का भूमि पूजन संपन्न

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के सबसे बड़े हस्तशिल्प आयोजनों में शामिल होने जा रहे 'हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2026' का भूमि पूजन समारोह शुक्रवार को मान्यवर श्री कांशीराम जी सांस्कृतिक स्थल (स्मृति उपवन), बंगला बाजार, आशियाना में विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। भूमि पूजन का अनुष्ठान आचार्य पंडित अनुराग मिश्रा शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न कराया। इस अवसर पर महोत्सव की सफलता एवं निर्विघ्न आयोजन के लिए मंगलकामना की गई। मॉ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 29 नवंबर 2026 से शुरू होकर 3 जनवरी 2027 तक होने वाले महोत्सव का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्पियों, कारीगरों, लघु उद्यमियों एवं पारंपरिक कला से जुड़े लोगों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। इसके माध्यम से भारतीय हस्तशिल्प, लोककला, संस्कृति एवं स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने के साथ ही आमजन को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया जाएगा। भूमि पूजन समारोह में महोत्सव के आयोजक एवं अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा एवं रणबीर सिंह सहित हेमू चौरसिया, मोनालिसा, रोली जायसवाल, रुद्र प्रताप बाजपेई,प्रखर सिंह, शक्ति सिंह एडवोकेट , डॉक्टर दिनेश सहगल,करणी सेवा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान, करणी सेना के प्रदेश संगठन मंत्री विकास सिंह, निलांश ग्रुप के संतोष श्रीवास्तव, मनोज सिंह चौहान, महेश सहित अनेक गणमान्य लोग एवं आयोजन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव केवल खरीदारी और मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि देश की पारंपरिक कला, संस्कृति, हस्तकला एवं हुनर को सम्मान देने का एक बड़ा मंच है। महोत्सव के माध्यम से हस्तशिल्पियों और छोटे व्यापारियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों की हस्तनिर्मित वस्तुएं, पारंपरिक शिल्प, कलात्मक उत्पाद और सांस्कृतिक गतिविधियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी। भूमि पूजन समारोह के साथ ही हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2026 के भव्य आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ हो गया।

जल जीवन मिशन में 15 हजार करोड़ का घोटाला :संजय सिंह

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यूपी में जल जीवन मिशन के तहत हुए कामों में 15 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गांवों तक पानी पहुंचाने की योजना के नाम पर सरकारी धन की लूट हुई। बिना काम किए करीब 15 हजार करोड़ रुपए निकाल लिए गए। संजय सिंह ने विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। केंद्र की जांच एजेंसियां भी मामले में चुप हैं। संजय सिंह ने कासगंज, बरेली, सीतापुर और बस्ती में पानी की टंकियां गिरने का जिक्र किया। उन्होंने खुदाई के नाम पर घोटाले और ब्लैकलिस्टेड कंपनियों से सामान खरीदने का आरोप लगाया। बरेली में टंकी बनाने वाली कंपनी को हैदराबाद में करोड़ों का टेंडर मिलने पर भी सवाल उठाए। संजय सिंह ने नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कंपनी ने भाजपा को 60 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद कंपनी को टेंडर कैसे मिल रहे हैं। उन्होंने ईडी की भूमिका पर भी सवाल उठाए। दावा किया कि 14 सितंबर को ईडी ने विभाग से भ्रष्टाचार से जुड़ी रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पूछा कि कंपनी के खिलाफ जांच आगे क्यों नहीं बढ़ी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने गोरखपुर की घटना का जिक्र करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मामले में परिवार को भड़काने का काम कर रहे हैं। सांसद ने बिना जांच हत्या का आरोप लगाने और हादसे पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज जारी कर पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई है। संजय सिंह ने लखनऊ के अर्जुनगंज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काफिले से जुड़े हादसे का मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि हादसे में मां–बेटे की मौत हुई थी। सवाल किया कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई? आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों के मामलों में कार्रवाई नहीं होती, जबकि अन्य मामलों में पुलिस तत्काल कार्रवाई करती है। आप सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज कराए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके कार्यालय वाले मकान के मालिक को भी डराया और धमकाया गया। संजय सिंह ने कहा कि सरकार की आलोचना करने वालों को निशाना बनाया जा रहा है।



वीबी–जी राम जी योजना: अफसर सुनिश्चित करें कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन : केशव

पक्के कार्यों की सूची तलब, मजदूरी भुगतान में देरी बर्दाश्त नहीं



लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वीबी–जी रामजी योजना अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक जनपद में योजना अंतर्गत कराए गए पक्के कार्यों की सूची जनपदवार तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।उन्होंने सोनभद्र के विकासखंड चोपन की ग्राम पंचायत रिजूल में अकड़ीहवा नाले पर बनाए जा रहे मृदा चेकडैम का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यों से एक ओर स्थानीय श्रमिकों को गांव में ही रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर वर्षा जल के ठहराव को बढ़ावा मिलेगा तथा मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऐसे निर्माण कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। कार्यों के चयन से लेकर उनके क्रियान्वयन तक गुणवत्ता, पारदर्शिता और उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए तथा भुगतान में देरी न होने पाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने और ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। योजना के अंतर्गत मूल ग्रामीण अवसंरचना श्रेणी में पुस्तकालय भवनों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी अनुमन्य है। गांवों में पुस्तकालयों की स्थापना से बच्चों और युवाओं को शांत एवं अनुकूल अध्ययन का वातावरण मिलेगा। पुस्तकालय ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए ज्ञान के केंद्र बनेंगे और उनके सपनों को नई दिशा प्रदान करेंगे। ग्रामीण विकास का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों को सुंदर, स्वच्छ, सुव्यवस्थित और खुशहाल बनाना भी है। इस योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत ओडवलिया, विकासखंड निचलौल महाराजगंज में पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। यह पार्क ग्रामीणों को एक सुंदर और सुविधाजनक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध करा रहा है। श्री मौर्य ने जल संरक्षण और जल सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत जल सुरक्षा श्रेणी में फार्म तालाब, जल संचयन तालाब तथा सिंचाई कुओं जैसे कार्य भी अनुमन्य हैं। उप मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के हितों और उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत कार्यस्थल पर किसी दुर्घटना अथवा चोट लगने की स्थिति में श्रमिक को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रयागराज के वरिष्ठ पत्रकार आशीष शर्मा को मिलेगा कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान–2027

पत्रकारिता क्षेत्र में अहम भूमिका हेतु चयनित राष्ट्रीय महापर्व गणतंत्र दिवस पर सीकर में होगा सम्मान

प्रयागराज। पत्रकारिता क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ पत्रकार आशीष शर्मा का चयन कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान



2027हेतु चयनित किया गया है, आशीष शर्मा ने पिछले चौबीस वर्ष से निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से आमजन की आवाज उठाने का कार्य निरंतर किया हैं, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहते हुए जनसमस्याओं को सदैव इनके द्वारा प्रमुखता से उठाया गया है, एक राष्ट्रीय स्तर के संगठन के केंद्रीय प्रभारी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)के पद पर रहते हुए पत्रकारों की गम्भीर समस्याओं पर भी समय–समय पर निर्भीकता से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए अग्रणी भूमिका निभाई है। सम्मान हेतु नामित होने पर देशभर से लोगों ने बधाई प्रेषित किया तथा अपनी खुशी जाहिर की।

गंगानाथ झा परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह सम्पूर्ति कार्यक्रम का आयोजन



प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पण्डित मदन मोहन मालवीय सभागार में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का सम्पूर्ति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" द्वारा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शैल कुमारी मिश्र, पूर्व प्राचार्या, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में परिसर के पुस्तकालय एवं संग्रहालय विभाग के पुरा अधिकारीगण श्री जीवेश्वर झा, श्री जयसिंह, डॉ. अनिल सिंह, श्री सुखदेव ठाकुर एवं श्री जगदीश प्रसाद के साथ ही साथ डॉ. रामानन्द थपलियाल, डॉ. बीना मिश्रा एवं डॉ. रामकिशोर झा ने आभाषी माध्यम से अपने आशीर्वचनों द्वारा उपस्थित परिसरीय सदस्यों को अभिसिंचित किया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि प्रो. शैल कुमारी ने पुराने समय की चुनौतियों एवं उनके निराकरण सम्बन्धी अपने विचारों को प्रस्तुत किया। उन्होंने पुस्तकालय को किसी भी संस्था की रीढ़ बताया। उनके अनुसार पुस्तकालय किसी भी संस्था की पहचान का पर्याय होता है। परिसर की प्रगति की सराहना करते हुए उन्होंने परिसरीय पुस्तकालय से जुड़े अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए पूर्व न्यायाधीश डॉ. मार्कण्डेय काटजू के पुस्तकालय में बिताये क्षणों का स्मरण करते हुए सभी से अध्ययनरत रहने की कामना की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा प्रो. शैल कुमारी मिश्रा द्वारा लिखित पुस्तक का लोकार्पण किया गया। परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने संस्था के पूर्वजों को संस्थागत प्रगति के सच्चे पारखी बताया। परिसर की उपलब्धि के लिए उन्होंने पूर्व परिसरीय सदस्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने समस्त पूर्व परिसरीय सदस्यों का सम्मान करते हुए उनके अनुभव एवं योगदान को बहुमूल्य बताया। उन्होंने परिसर की विकास यात्रा के 83 वर्षों को गौरव, साधना एवं त्याग दृ समर्पण का जीवित उदाहरण बताते हुए सभी के अनुभवो का लाभ उठाने को प्रेरित किया। उनके अनुसार परिसर आज पण्डित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा परिसर के शिलान्यास के समय उनके द्वारा की गई अपेक्षाओं को पूर्ण करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है एवं भविष्य में भी इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता में एम. ए. संस्कृत की छात्रा प्रेरणा गौड़ को प्रथम, विकास साहू को द्वितीय एवं दिव्यांश शर्मा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चन्द्रकान्त तिवारी को प्रथम, प्रियांशु तिवारी को द्वितीय एवं विष्णुदत्त को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता में कीर्ति यादव को प्रथम, अंजलि पाण्डेय को द्वितीय एवं ज्योति कुमारी तथा सोनाली कुशवाहा को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रभात दुबे, अनुज पाठक, अंजलि पाण्डेय एवं विष्णुदत्त पाण्डेय को सर्वश्रेष्ठ पाठक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय एवं संग्रहालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। युवा महोत्सव, जम्मू में परिसर का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा छात्र–छात्राओं का सम्मान परिसर के निदेशक, मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामरूप ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार मिश्र, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, डॉ. मंगलदेव त्रिपाठी, डॉ. शुभश्री दास, राजेशकान्त तिवारी, अंकित मिश्र, संजय कुमार मिश्र सहित समस्त परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

नेत्र शिविर के दौरान नेत्र रोगियों का हुआ परीक्षण:

करछना। क्षेत्र के रामपुर तिराहा के समीप अंसारी होम्योपैथ के पास आयोजित निरू शुल्क नेत्र शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नेत्ररोगियों का परीक्षण कर उन्हें आंखों को निरोगी रखने हेतु कई टिप्स दिए गए। मुख्य अतिथि पूर्व प्रमुख विजय राज सिंह राजू ने फीता काटकर नेत्र शिविर का उद्घाटन किया। प्रभावती ग्रामीण विकास समिति संस्थान द्वारा आयोजित उक्त नेत्र शिविर में नेत्र सर्जन डॉअनूप कुमार मौर्य के साथ डॉ.प्रवीण कुशवाहा,डॉ.



शालिनी मौर्य ने मरीजों के नेत्र का गहन परीक्षण करते हुए उन्हें कई सुझाव दिए।डॉक्टरों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं और पुरुष खेती किसानी और घर के कामकाज को लेकर जुटे रहते हैं।ऐसे में आंखों में धूल मिट्टी की साफ सफाई के साथ साथ नियमित रूप से आंखों की सफाई रखना बहुत जरूरी है।

लापरवाही के चलते कई तरह के रोगों की आशंका बढ़ जाती है। कभी–कभी किसी रोग के शुरुआती दौर में सही इलाज न होने के कारण भी रोग और बढ़ जाता है।आंखों के सफल इलाज के लिए प्रशिक्षित डॉक्टर से ही सुझाव और इलाज करवाना उचित होता है। इस दौरान कई मरीजों का परीक्षण कर सामान्य दवाएं भी वितरित की गई। नेत्र शिविर के संयोजक राम आसरे गौतम और रीता गौतम ने शिविर में आए चिकित्सकों और नेत्र रोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस दौरान मोहम्मद मोज्ज़म सिद्दीकी,गौरव द्विवेदी रामफल सहित कई शिविर व्यवस्थापक और नेत्र रोगी मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/678 दिनांकः 18.11.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1067-2026	अनुमानित लागतः ₹ 18,45,950.16

कार्य का विवरणः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में प्रयागराज छिवकी (PCOI) - मानिकपुर खंड के बीच बारह महीने के लिए स्काडा प्रणाली का व्यापक, निवारक और ब्रेकडाउन रखरखाव का कार्य।

बिड सुरक्षा राशिः ₹ 36,900.00	कार्य अवधिः 01 वर्ष	डोली प्रणालीः एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 10.12.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 10.12.2026, 15.00 बजे

नोटः- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2623/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति–रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने श्ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्सश यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतरू नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर–तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निध ार्रण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में श्ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्सश को जोखिम–आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड–पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृ त निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है। बल्कि यह सोने की शुद्धता का वायदा भी है। दूसरे शब्दों में कहें तो हॉलमार्क को कड़े निरीक्षण, पारदर्शी प्रवर्तन और भरोसेमंद टेस्टिंग का संबल मिलना चाहिए। सही अर्थों में इन सुरक्षा मानकों के अनुपालन के बिना, नियामक ढांचा कभी भी सोने जितना खरा होने का दावा नहीं कर पाएगा।

आर्थिक संकट का सच

डॉ. दीपक पाचपोर

देश अगर वाकई तेज आर्थिक वृद्धि के पथ पर रहता तो मोदी को ऐसी अपील करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। मोदी ने आर्थिक संकट की बात कही तो उसे समझदारी भरी सलाह कहा गया और वही बात राहुल ने दूसरे तरीके से बता दी तो भाजपा को बुरा लग गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं भाजपा का रक्तचाप बढ़ जाता है। राहुल गांधी अगर निजी यात्रा पर जाते हैं तो भाजपा की मांग रहती है कि वो अपनी निजता को छोड़ सार्वजनिक तौर पर बताएं कि वो कहां जा रहे हैं, क्यों जा रहे हैं और किससे मिल रहे हैं। हालांकि सरकार भाजपा की ही है तो उसे पता रहता है कि राहुल गांधी कब जा रहे हैं, किस फ्लाइट से जा रहे हैं, कहां जा रहे हैं, कब लौट रहे हैं आदि। लेकिन फिर भी बात का बतंगड़ बनाने के लिए वह ये सवाल उठाती है। वहीं राहुल गांधी जब बतौर नेता प्रतिपक्ष विदेश यात्रा पर जाते हैं, तब तो भाजपा की तकलीफ और ज्यादा बढ़ जाती है। क्योंकि तब राहुल वैश्विक मंचों से अपनी बात रखते हैं। अभी अमेरिका की कोलम्बिया और शिकागो यूनिवर्सिटी में चर्चा और व्याख्यान के लिए राहुल गांधी को बुलाया गया था। दोनों ही जगह उन्होंने छात्रों से और समाज के अन्य तबकों के प्रतिनिधियों से खुली चर्चा की। लोकतंत्र, भारत में चुनाव चोरी, एसआईआर की गड़बड़ियां, जेन जी आंदोलन, दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण, बेरोजगारी, महंगाई तमाम मुद्दों पर उन्होंने खुल कर अपनी बात रखी। 17 नवंबर को न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर जो बयान दिए, उन पर देश में राजनीतिक विवाद शुरू हो चुका है। दरअसल राहुल गांधी ने कहा था कि भारत एक श्आर्थिक आपदाश की कगार पर है और देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी व शिक्षा व्यवस्था की गंभीर समस्याएं हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत का आर्थिक मॉडल करीब एक दशक पहले ही नतीजे देना बंद कर चुका है और इसी क्रम में राहुल ने मेक इन इंडिया तथा स्टार्ट–अप इंडिया जैसी योजनाओं की सफलता पर सवाल उठाए। राहुल ने कहा कि एक के बाद एक मोदी की सारी योजनाएं विफल साबित हुई हैं। क्योंकि देश में विनिर्माण क्षेत्र उस स्तर पर नहीं पहुंचा है, जहां बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हो सकें। कांग्रेस ने आर्थिक विकास का जो मॉडल बनाया था, जिसमें लघु और मध्यम उद्योगों, कृषि, सार्वजनिक निकायों आदि के लिए जो दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जाती थीं, वो अब खत्म हो गया है। उन्होंने उद्योग और व्यापार में एकाधिकार होने पर भी चिंता जताई। राहुल ने इस मुद्दे को भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना से जोड़ा। उनका कहना था कि अगर आर्थिक विकास का लाभ समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचता और छोटे कारोबार कमजोर होते हैं तो रोजगार तथा आर्थिक अवसरों का संकट बना रहेगा। राहुल गांधी ने कोई ऐसी बात नहीं कही जो वे पहले भारत के मंचों से न कह चुके हों। संसद से लेकर चुनावी सभाओं या छात्रों की गूंज जैसे कार्यक्रमों में राहुल जहां भी जाते हैं, वे इस बात पर लोगों को आगाह करते हैं कि मोदी सरकार ने निजीकरण के नाम पर सब कुछ केवल दो लोगों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को सौंप दिया है। राजनीति की तरह व्यापार में भी सबको समान अवसर से वंचित किया जा रहा है, जिस वजह से न केवल आम आदमी के लिए आर्थिक संकट बढ़ा है, बल्कि छोटे–मध्यम कारोबारियों की तकलीफें भी बढ़ी हैं। अपनी इन्हीं बातों को राहुल गांधी ने विदेश के मंचों से कह दिया तो अब भाजपा हाय तौबा मचा रही है। भाजपा का कहना है कि वैश्विक आंकड़े भारत की तेज आर्थिक वृद्धि दिखाते हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष देश को नकारात्मक रूप में पेश कर रहे हैं। भाजपा की तरह ही गोदी मीडिया ने भी अपने प्राइम टाइम को इसी चर्चा के लिए सुरक्षित कर लिया कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत का अपमान क्यों करते हैं। भाजपा के लिए राहुल पर हमले करने का शायद यह सबसे आसान तरीका है। लेकिन जो पत्रकार भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए ऐसी चर्चाएं करवा रहे हैं, क्या उन्हें नहीं पता कि सोशल मीडिया के कारण अब दुनिया के किसी भी मंच से कोई भी बात कही जाए, वह तुरंत एक कोने से दूसरे कोने में पहुंचती है। राहुल दिल्ली में आर्थिक बर्बादी की बात करें या न्यूयॉर्क में, एक ही बात है। जब प्रध ानमंत्री मोदी ने खुद लोगों से किफायत बरतने, सोना न खरीदने, गाड़ी छोड़ सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने और साल भर तक विदेश न जाने की अपील लोगों से की थी, क्या उसे दुनिया के बाकी लोगों ने नहीं सुना होगा। देश अगर वाकई तेज आर्थिक वृद्धि के पथ पर रहता तो मोदी को ऐसी अपील करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। मोदी ने आर्थिक संकट की बात कही तो उसे समझदारी भरी सलाह कहा गया और वही बात राहुल ने दूसरे तरीके से बता दी तो भाजपा को बुरा लग गया। कायदे से उसे बुरा इस बात पर लगना चाहिए कि सत्ता के बारह सालों में वह महंगाई और बेरोजगारी का उपाय नहीं निकाल पाई है, जिससे साधारण जनता बुरी तरह जूझ रही है। नौकरियां न मिलने के कारण लोग गिग वर्कर्स बन रहे हैं, डिग्री हासिल किए युवा तरह–तरह की कुंठाओं का शिकार हो रहे हैं। त्योहार के वक्त भी लोगों को महंगाई से निजात नहीं मिली। क्या यह सब भाजपा को दिखाई नहीं दे रहा। अगर आर्थिक वृद्धि होती तो उसकी खुशहाली आंकड़ों में ही नहीं जमीन पर भी दिखाई देती।

आधुनिक भारत और नेहरू, गांधी परिवार की विरासत

राजेश पांडेय

इन दिनों नेहरू–गांधी परिवार सुर्खियों में है। सोनिया गांधी की किताब–शबिलॉन्गिंगरू ए जर्नी ऑफ लवश से जुड़ी हलचल ने लोगों का ध्यान परिवार की तरफ खींचा है। पेंगुइन के टालमटोल के बाद नए प्रकाशक ने किताब छापने का फैसला किया। उस वक्त बताया गया कि किताब की एक लाख प्रतियां प्रकाशित की जाएंगी। 16 नवंबर को नई दिल्ली में लॉन्चिंग पर प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स इंडिया के सीईओ अनंत पद्मनाभन ने बताया कि एक सप्ताह में पुस्तक की दो लाख प्रतियां बिक चुकी हैं। पश्चिमी देशों में किसी पुस्तक की दस–बीस लाख प्रतियां बिकना बड़ी बात नहीं है। भारत में किताबें पढ़ने में लोगों की दिलचस्पी ज्यादा नहीं है। इसलिए यह संख्या हैरान करती है। किताब खरीदने वाले लोगों में बड़ी संख्या कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं की भी होगी। फिर भी, किसी शख्सियत के संस्मरण या आत्मकथ्य के प्रति लोगों की उत्सुकता पहले कभी इतनी ज्यादा नहीं देखी गई थी। सोनिया की किताब पर उठी चर्चा के कई कारण हैं। पेंगुइन के टालमटोल के बाद मीडिया में अनुमान लगाए गए। अखबारों ने किताब के अंशों का प्रकाशन शुरू कर दिया। अभी हाल के वर्षों में किसी किताब के इतने ज्यादा अंश मीडिया में नहीं आए हैं। किताब पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने भी लोगों की उत्सुकता जगाई है। यों भी, बीते 12–13 वर्षों से नेहरू–गांधी परिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के निशाने पर हमेशा रहता है। कांग्रेस के कार्यकर्ता जवाहर लाल नेहरू को जितना याद नहीं करते हैं, उससे ज्यादा तो भाजपा के नेता उनका नाम लेते हैं। मोदी ने संसद में कई बार नेहरू पर तीखे प्रहार किए हैं। उनके कथनों, आर्थिक नीतियों, विदेश नीति की कड़ी आलोचना की गई है। नेहरू के खिलाफ सुनियोजित अभियान चलाया गया है। बयानों के अलावा मीम्स, ट्रोल्स के जरिये उनका उपहास उड़ाया जाता है। भारत की तमाम सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के लिए उन्हें दोषी ठहराया जाता है। नेताओं के अलावा अर्थशास्त्रियों, विश्लेषकों और विद्वानों की फौज नेहरू की नीतियों की समीक्षा करती है। इतिहास के हर दौर में राजनेताओं और समाज को प्रभावित करने वाली हस्तियों, संगठनों के कामकाज, फैसलों का मूल्यांकन होता है। उनके सही, गलत निर्णयों और उपलब्धियों की वस्तुनिष्ठ समीक्षा होती है। ऐसा होना भी चाहिए। इससे भविष्य के लिए नई दिशा मिलती है। लेकिन, नेहरू,गांधी खानदान की आलोचना के मामले में बहुत बार ऐसा नहीं हो रहा है। आध ुनिक भारत में सत्ता पर लंबे समय तक रहने वाले परिवार के मामले में अलग मापदंड अपनाए गए हैं। अब निशाने पर सबसे अधिक राहुल गांधी हैं। उन्हें पप्पू, नामदार, शहजादे, अपरिपक्व सहित कई अन्य उपाधियों से विभूषित किया गया है। उन्हें देश विरोधी बताया जाता है। राहुल की विदेश यात्राओं से पहले उनके खिलाफ भाजपा के बयान आने लगते हैं। राहुल के कुछ बयान असहज करते हैं। लेकिन अब उनमें परिपक्वता नजर आती है। उनके साथ एक समृद्ध राजनीतिक परिवार की विरासत जुड़ी है। उन्हें अच्छा लॉन्च पैड मिला था। उन्होंने अपनी सक्रियता और चुनाव प्रक्रिया में धांधली जैसे मुद्दों को उठाकर एक मजबूत और असरदार विपक्षी नेता के रूप में अलग पहचान बना ली है। सोनिया की किताब में लोगों की दिलचस्पी केवल सोनिया के कारण नहीं है। भारत के इतिहास में नेहरू, गांधी परिवार की अमिट छाप को भुलाना मुश्किल है। स्वाधीनता संग्राम और फिर आजादी के बाद देश की सार्वजनिक गतिविधियां इस परिवार के आसपास केंद्रित रही हैं। खानदान में दो व्यक्तित्व सबसे अहम हैं। एक हैं– जवाहर लाल नेहरू और दूसरी हैं–उनकी बेटी इंदिरा गांधी। भारत के वर्तमान स्वरूप में नेहरू की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक भारत की स्थिति पर गौर करते हुए नेहरू के योगदान को नहीं भूलना चाहिए। नई पीढ़ी शिक्षा, साइंस, टेक्नालॉजी, रिसर्च, मेडिकल साइंस, आईटी, कृषि, औद्योगिक विकास सहित कई क्षेत्रों में भारत की तेज रफ्तार को महसूस करती है। उसके पीछे नेहरू की सोच, दृष्टि और कल्पना मौजूद है। आजादी के संग्राम में साढ़े नौ वर्ष तक जेल में रहे नेहरू ने विकास के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा था। उनके दौर में सार्वजनिक क्षेत्र में 50 से अधिक बड़े संस्थानों की नींव रखी गई। इनमें कुछ प्रमुख हैं, जीवन बीमा निगम, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, इंडियन ऑयल, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान मशीन टूल्स। शिक्षा, कला, संस्कृति की तरफ भी उनका झुकाव था। कई संस्थाएं उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की तस्वीर पेश करती हैं। संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, नेशनल म्यूजियम, भारतीय सांस्कृ तिक संबंध परिषद, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थानों ने उनकी पहल से आकार लिया। नेहरू के सपनों का संसार अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से होड़ करता था। उन्हें विरासत में गरीब और समस्याग्रस्त देश मिला था। विभाजन की विभीषिका ने देश के मानस पर गहरे जख्म किए थे। उन्होंने ऐसे समय में देश के घावों पर मरहम रखने के साथ उसकी तरक्की का योजनाबद्ध अभियान हाथ में लिया। भाखड़ा नंगल बांध की शुरुआत करते हुए नेहरू ने उसे आधुनिक भारत का तीर्थ कहा था। नेहरू ने भाखड़ा से साथ हीराकुंड, नागार्जुन सागर, दामोदर वैली, रिहंद बांध, तुंगभद्रा, कोसी और चंबल जैसी बांध योजनाओं को ध रातल पर उतारा। नेहरू की दृ ष्टि तरक्की के हर क्षितिज को स्पर्श करती है। अंतरिक्ष अनुसंध ान संगठन, भाभा परमाणु अनुसंध ान केंद्र और एम्स के साथ उनकी प्राथमिकता में नेशनल बुक ट्रस्ट, यूजीसी और एनसीईआरटी भी थे। भारत ने आज आईटी, फार्मास्युटिकल्स और ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में खास पहचान बनाई है। इन सबके पीछे नेहरू के अनंत सपनों की दुनिया है। गूगल के सुंदर पिचई जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की दिग्गज हस्तियां भारत के आईआईएम, आईआईटी की देन हैं। कुछ साल पहले देश में स्मार्ट सिटी की बहुत चर्चा थी। नेहरू ने चंडीगढ़ के रूप में देश के सामने स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पेश कर दी थी। नेहरू के दौर में भारत गरीब था। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बहुत प्रभावशाली थी। दो महाशक्तियों अमेरिका और सोवियत संघ की तनातनी के बीच नेहरू और बाद में इंदिरा गांधी ने भारत की गुटनिरपेक्ष छवि को बनाए रखा। 1962 के युद्ध में चीन से अपमानजनक पराजय के लिए नेहरू को दोषी ठहराया जाता है। कई विशेषज्ञ कहते हैं, चीन के प्रति उनका रवैया नरम था। दूसरी ओर नेहरू के समय खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर रहे भोलानाथ मलिक इस धारणा को गलत बताते हैं। मलिक ने अपने संस्मरणों में दावा किया है कि नेहरू की पहल पर भारत ने चीन से लगी सीमा पर उन सभी क्षेत्रों में चौकियां बनवाई थीं जिन पर भारत दावा करता था। मलिक के अनुसार चीनी हमले के समय नेहरू ने तटस्थता के सिद्धांतों को भुलाकर अमेरिका से सैनिक मदद मांगी थी। नेहरू की मौत के दो साल बाद प्रधानमंत्री बनीं इंदिरा गांधी ने भारत की सैनिक ताकत को बढ़ाने का अभियान चलाया। 1971 के बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान की निर्णायक हार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का दबदबा बढ़ाया था। भारत ने 1974 में परमाणु परीक्षण के जरिये चीन सहित सभी बड़ी ताकतों को चौंका दिया था। इस पराक्रम के पीछे नेहरू द्वारा सभी क्षेत्रों में खड़ा किया गया मजबूत आधार है। भारतीय जनजीवन के सभी क्षेत्रों में नेहरू की सशक्त मौजूदगी रही है। इसलिए उन्हें भाजपा और संघ परिवार ने निशाना बनाने के लिए सबसे आदर्श और उपयुक्त पात्र माना है। नेहरू, गांधी परिवार की विराट प्रतिमा को खंडित करने के अभियान की पृष्ठभूमि में सोनिया गांधी का अपनी किताब में परिवार का पक्ष पेश करना स्वाभाविक है। उन्होंने नेहरू के बाद की स्थितियों का जिक्र किया है।

हँसी सुरक्षित, तो मानवता का भविष्य सुरक्षित

किसी बच्चे की निश्छल हँसी में पूरे देश की उम्मीद बसती है।वह हँसी बनी रहे, यह किसी भी सभ्य समाज का पहला कर्तव्य होता है। 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस हमें इसी कर्तव्य की याद दिलाता है।

यह दिन क्यों खास है इसके लिए यदि हम इतिहास पर एक नजर डालें तो

विश्व बाल दिवस का इतिहास संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1954 में ही बाल कल्याण के लिए एक विशेष दिन मनाने की पहल की थी।इसके बाद 20 नवंबर की तारीख ऐतिहासिक बन गई। इसी दिन 1959 में संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकारों की घोषणा को अपनाया और ठीक 30 साल बाद 20 नवंबर 1989 को ही बाल अधिकारों पर कन्वेंशन को अपनाया गया। यह कन्वेंशन दुनिया की सबसे अधिक स्वीकृ त मानवाधिकार संधि है। भारत इस कन्वेंशन का एक प्रमुख हस्ताक्षरकर्ता है और बाल अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता लगातार निभा रहा है।इसलिए 20 नवंबर सिर्फ एक दिवस नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों के प्रति वैश्विक संकल्प का प्रतीक है।

आज का बचपन पहले से बहुत अलग है।आज का बच्चा ज्यादा जिज्ञासु है। ज्यादा जागरूक है। डिजिटल तकनीक के साथ बड़ा हो रहा है। यह नए भारत की ताकत है।साथ ही, यह भी सच है कि नई तकनीक नई चुनौतियाँ भी लाई है। बच्चों के सामने स्क्रीन टाइम, साइबर सुरक्षा और मानसिक दबाव जैसी नई स्थितियाँ हैं। इन्हें डर के रूप में नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा।और यहीं पर हमारे प्रयासों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

पिछले एक दशक में भारत ने बच्चों के समग्र विकास के लिए कई ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाए हैं। इन प्रयासों ने जमीन पर बड़ा बदलाव लाया है।

इन प्रयासों में कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई के लिए 'पोषण अभियान'एक जन–आंदोलन बना है। आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त किया गया है। माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों बच्चों को मिल रहा है।

समग्र शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को पहुँच से आगे बढ़कर गुणवत्ता और संस्कार से जोड़ा है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा, रटने की जगह समझने पर जोर और कौशल विकास पर ध्यान दिया गया है। यह नीति बच्चों को प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, जीवन के लिए तैयार करती है।

बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार ने 'मिशन वात्सल्य' को मजबूत किया है। बाल श्रम और बाल विवाह के विरुद्ध कानूनों को सख्ती से लागू किया जा रहा है।पॉक्सो अधिनियम बच्चों को सुरक्षित वातावरण देने के लिए एक मजबूत कानूनी ढाल है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' सिर्फ एक नारा नहीं रहा। यह सामाजिक सोच में बदलाव है। आज बेटियाँ सैनिक स्कूलों में जा रही हैं, खेल के मैदान में पदक ला रही हैं और विज्ञान में नए कीर्तिमान बना रही हैं। लिंगानुपात में सुधार और बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि इसका प्रमाण है।

ये सभी योजनाएँ दिखाती हैं कि सरकार की सोच स्पष्ट है – बच्चे केवल कल्याण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सशक्त भागीदार हैं।

इस सबके बावजूद बच्चों के सम्यक विकास के लिए परिवार और समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कानून और योजना अपनी जगह हैं। पर बचपन सबसे ज्यादा घर और स्कूल में बनता है।छोटे–छोटे प्रयास बड़ा बदलाव लाते हैं।परिवारों में आवश्यक है कि बच्चों को नंबर नहीं, समय दीजिए। दिन में 30 मिनट बिना मोबाइल के उनसे बात कीजिए। उनकी बात सुनिए। उनकी जिज्ञासा का सम्मान कीजिए।

शिक्षकों के लिए – बच्चों को सिर्फ पाठ्यक्रम मत पढ़ाइए। उन्हें सवाल पूछना सिखाइए। एक सवाल पूछने वाला बच्चा, दस जवाब रटने वाले बच्चों से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

समाज के लिए – हर गाँव, हर मोहल्ला यह तय करे कि उसके क्षेत्र का कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहेगा। खेल का मैदान आबाद रहेगा। यह छोटा संकल्प, किसी बड़ी योजना से ज्यादा असरदार होगा।

डिजिटल युग में नया संस्कार भी आवश्यक है। हमें बच्चों को तकनीक से दूर नहीं करना। बल्कि तकनीक के साथ संस्कार देना है।

डिजिटल साक्षरता आज उतनी ही जरूरी है जितनी अक्षर साक्षरता। बच्चों को सिखाना होगा कि इंटरनेट का सही उपयोग क्या है। क्या देखना है और क्या नहीं। माता–पिता और शिक्षकों को भी इस नई दुनिया को समझना होगा। सरकार ने इसके लिए स्कूलों में डिजिटल सुरक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया है, जो एक स्वागतयोग्य कदम है।

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि आज में ही कल बसता है।अक्सर कहा जाता है कि बच्चे देश का भविष्य हैं।सच यह है कि बच्चे देश का वर्तमान हैं।उनकी आज की सेहत, आज की शिक्षा और आज की मुस्कान ही कल का भारत तय करेगी।

विश्व बाल दिवस हमें कोई शिकायत करने का दिन नहीं, बल्कि संकल्प लेने का दिन है। संकल्प यह कि हम सरकार, समाज और परिवार – तीनों मिलकर हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित, पौष्टिक और प्रसन्न बचपन सुनिश्चित करेंगे।

जिस देश में बच्चे खुले मन से हँसते हैं और बेखौफ सपने देखते हैं, उस देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

आइए, इस 20 नवंबर को हम हर बच्चे को सिर्फ शुभकामना नहीं, बल्कि एक बेहतर कल का भरोसा दें।



– डॉ० अवनीश यादव,
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग
उत्तर प्रदेश

अविनाश मिश्रा पर लगा गर्लफ्रेंड ईशा सिंह को चीट करने का आरोप, मीडिया से बोले– शांति से जीने दो





> दोनों के बीच दरार की खबरें सामने आने के बाद-खासकर जब ईशा ने उन्हें सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया अविनाश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया। अपनी पोस्ट में, अविनाश ने सभी से इन अटकलों को पीछे छोड़ने और संबंधित लोगों को अपने निजी मामलों को निजी तौर पर सुलझाने देने की अपील की।

अभिनेता और खतरों के खिलाड़ी 15 के विनर अविनाश मिश्रा ने अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ अनबन की अफवाहों पर बात की है। उन्होंने लोगों और मीडिया प्लेटफॉर्म्स से अपील की है कि उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों के बीच उनकी प्राइवेसी का सम्मान करें। दोनों के बीच दरार की खबरें सामने आने के बाद–खासकर जब ईशा ने उन्हें सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया अविनाश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया। अपनी पोस्ट में, अविनाश ने सभी से इन अटकलों को पीछे छोड़ने और संबंधित लोगों को अपने निजी मामलों को निजी तौर पर सुलझाने देने की अपील की। उनकी पोस्ट में लिखा था–दोस्तों, आइए इसे यहीं छोड़ दें और आगे बढ़ें। पिछले कुछ हफ्ते कई लोगों के लिए मुश्किल रहे हैं। मीडिया पेजों से गुजारिश है कि वे सभी की प्राइवेसी का सम्मान करें। रिश्ते निजी होते हैं सार्वजनिक मनोरंजन नहीं। हर चीज का मतलब सिर्फ व्यूज और एंगेजमेंट नहीं होता। लोगों को शांति से जीने दें। अविनाश की यह पोस्ट तब आई है जब ईशा सिंह ने उन्हें सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है। इसी बीच ईशा की मां का एक कथित ऑडियो क्लिप भी वायरल हो गया। इस ऑडियो में उन्होंने एक्टर पर उनकी बेटी को धोखा देने का आरोप लगाती सुनाई देती हैं। क्लिप में वह यह भी कहती हैं कि ब्रेकअप के बाद ईशा को काफी मानसिक तकलीफ हुई और उनकी हालत बेहद खराब हो गई थी। हालांकि, इस वायरल ऑडियो क्लिप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में इसमें लगाए गए आरोपों को फिलहाल दावे के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शबिग बॉसश के दौरान करीब आए ये दोनों कलाकार फिलहाल एक–दूसरे से बात नहीं कर रहे हैं। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब सोशल मीडिया पर उनके बीच आई लव यू वाले मैसेज वायरल हुए थे, जिससे लोगों का ध्यान उनके रिश्ते की ओर गया। हाल ही में दोनों को पति पत्नी और पंगा 2 में एक साथ देखा गया था, जहां उन्हें इसके तीसरे सीजन के पहले कन्फर्म कंटेस्टेंट के रूप में पेश किया गया था। बता दें कि षबिग बॉस 18 के दौरान अविनाश और ईशा के बीच काफी करीबी रिश्ता बन गया था। उनकी दोस्ती धीरे–धीरे दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई। बाद में उन्होंने म्यूजिक वीडियो काला शा काला में साथ काम किया और कई अन्य प्रोजेक्ट्स में भी एक साथ नजर आए। इससे पहले दोनों एक–दूसरे को अपना करीबी दोस्त बताते थे। हालांकि, 2026 में अविनाश ने सबके सामने ईशा के लिए अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए उनसे कहा, आई लव यू। बाद में, खतरों के खिलाड़ी 15 जीतने के बाद अपनी सक्सेस पार्टी में उन्होंने उसे सबके सामने स्वीकार किया और उसके प्रति अपने प्यार को फिर से दोहराया।



अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने बेटे के जन्म की घोषणा की इसके साथ ही उन्होंने अपने नन्हे बेटे का नाम भी सार्वजनिक किया

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपने जीवन के इस खास और खुशहाल पल की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने बेटे के जन्म की घोषणा की इसके साथ ही उन्होंने अपने नन्हे बेटे का नाम भी सार्वजनिक किया, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है। अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु और उनके पति, फिल्म निर्माता राज निदिमोरु ने 19 नवंबर 2026 को अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया और एक दिन बाद सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ यह खुशी साझा की। सामंथा ने अपने नवजात शिशु की एक प्यारी सी झलक दिखाते हुए उसके आने की खबर दी। तस्वीर में नए माता–पिता अपने बेटे की नन्हीं उंगलियों को अपनी उंगलियों से थामे हुए दिखाई दे रहे हैं, जो एक परिवार के रूप में उनके जीवन के इस नए अध्याय की एक खूबसूरत झलक पेश करता है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारा प्यारा बेटा देव निदिमोरु, 19.11.2026। हमारा दिल आज सबसे ज्यादा खुश है। सामंथा और राज।ष इस घोषणा के तुरंत बाद, दोस्तों और फिल्म जगत के लोगों की ओर से बधाई संदेश आने लगे। वरुण धवन, तमन्नाह भाटिया और वरलक्ष्मी सरथकुमार जैसे कलाकारों ने सबसे पहले इस जोड़े को बधाई दी और नवजात शिशु पर अपना प्यार बरसाया। बेटे का जन्म सामंथा और राज के लिए एक खास पड़ाव है, जिन्होंने अब तक अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक लाइमलाइट से दूर रखा था। हालांकि, इस घोषणा के जरिए प्रशंसकों को उनकी खुशी की एक दिल छू लेने वाली झलक मिली, क्योंकि वे अब एक साथ अपने जीवन के इस नए सफर की शुरुआत कर रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में बड़ा एक्शन, आरोपी अभिषेक पंडित के खिलाफ जारी हुआ एलओसी



मुंबई पुलिस ने टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में आरोपी अभिषेक पंडित के खिलाफ एलओसी (लुक आउट सर्कुलर) जारी किया है। अभिषेक, फायरिंग के कथित मास्टरमाइंड अनिल पंडित का भाई है और फिलहाल फरार बताया जा रहा है। अभिषेक पर इस मामले में गिरफ्तार लोगों को आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप है। जब मुंबई क्राइम ब्रांच उसे गिरफ्तार करने के लिए हरियाणा के करनाल पहुंची, तो वह वहां से भाग गया था। पुलिस इस मामले में अभिषेक की पत्नी सुनेहा पंडित को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक पंडित इस मामले का मुख्य आरोपी है, जो कथित तौर पर इस गिरोह के फाइनेंस (वित्तीय मामलों) को संभालता है। यह एलओसी इसलिए जारी किया गया है ताकि उसके देश से बाहर जाने के सभी रास्ते बंद किए जा सकें, क्योंकि वह अलग–अलग तरीकों से देश छोड़ने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि अगर अभिषेक पंडित पकड़ा जाता है, तो इस गिरोह के पूरे फाइनेंस नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। इससे पहले, 16 नवंबर को पुलिस कस्टडी खत्म होने पर मुंबई क्राइम ब्रांच ने टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले के 6 आरोपियों को मकोका कोर्ट में पेश किया था। ये 6 लोग उस मामले में गिरफ्तार किए गए कुल 13 आरोपियों में शामिल हैं। सुनवाई के बाद, कोर्ट ने 5 आरोपियों को न्यायिक हिरासत (ज्यूडिशियल कस्टडी) में भेज दिया, जबकि 6वीं आरोपी सुनेहा पंडित को 21 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेज दिया गया। पुलिस ने पहले सुनेहा पंडित की पुलिस कस्टडी मांगी थी, ताकि इन सभी वित्तीय लेन–देन के कनेक्शन का पता लगाया जा सके, इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके और आरोपियों के बीच के संबंधों को समझा जा सके। बता दें कि हाल ही में टाइगर श्रॉफ एक जानलेवा हमले से बाल–बाल बचे थे। 19 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में मोटरसाइकिल पर सवार 3 लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी थी। बागी एक्टर तो सुरक्षित रहे, लेकिन उनका ड्राइवर घायल हो गया था।



'ईथा' बनकर पर्दे पर छाने को तैयार श्रद्धा कपूर, दमदार डायलॉग ने खींचा सबका ध्यान

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ईथा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाने के लिए मेकर्स लगातार नई झलकियां सामने ला रहे हैं। इसी कड़ी में श्रद्धा ने फिल्म का एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनका अंदाज पहले से काफी अलग और दमदार नजर आ रहा है। वीडियो में श्रद्धा कपूर का एक प्रभावशाली डायलॉग सुनने को मिलता है। उनके किरदार ईथा का बेबाक अंदाज, आत्मविश्वास और बेखौफ व्यक्तित्व इस छोटी–सी झलक को खास बनाता है। श्रद्धा का यह अवतार देखकर फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर भी उनके इस अंदाज की चर्चा हो रही है।अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपने जीवन के इस खास और खुशहाल पल की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।



हॉरर फिल्मों की भीड़ में अलग है काली खेती, जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की एक्टिंग ने किया प्रभावित

कभी–कभी डर वहां छिपा होता है, जहां हम उसकी कल्पना भी नहीं करते। निर्देशक हारिस इम्तियाज खान की काली खेती इसी सोच को पर्दे पर उतारती है। जैकी श्रॉफ, शरद केलकर, नेहा सरगम और अन्य कलाकारों से सजी यह फिल्म हॉरर के पारंपरिक अंदाज से हटकर खेती और जमीन के इर्द–गिर्द एक सस्पेंस भरी कहानी पेश करती है। गांव का शांत माहौल, अजीब घटनाएं और एक रहस्यमयी खेती फिल्म की कहानी को दिलचस्प बनाते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसी है फिल्म काली खेती...

कहानीः फिल्म की कहानी एक शांत से दिखने वाले गांव में रहने वाले रोहित (शरद केलकर) और उसके परिवार के इर्द–गिर्द घूमती है। रोहित अपनी पत्नी राधा (नेहा सरगम) और बेटे राजू के साथ गांव में रहता है। कहानी में मोड़ तब आता है जब रोहित को खेती के लिए एक जमीन मिलती है और वह अपने पिता किशन (जैकी श्रॉफ) को गांव बुलाता है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य नजर आता है लेकिन जल्द ही किशन को गांव के माहौल और वहां होने वाली अजीब घटनाओं पर शक होने लगता है। रोहित का बार–बार नई खेती का जिक्र करना और उसके व्यवहार में आया बदलाव कहानी के रहस्य को और गहरा कर देता है। धीरे–धीरे जमीन से जुड़े राज खुलने लगते हैं और कहानी हॉरर व सस्पेंस का रूप ले लेती है। फिल्म खेती के बहाने इंसानी लालच और बदलते सामाजिक मूल्यों को भी सामने लाती है। आखिर इस काली खेती के पीछे का सच क्या है, यह जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

एक्टिंगः फिल्म में जैकी श्रॉफ, शरद केलकर, नेहा सरगम, शाजी चौधरी और वीरेंद्र सक्सेना मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। जैकी श्रॉफ इस फिल्म में अपने चिर–परिचित बिंदास अंदाज से बिल्कुल अलग एक गंभीर किरदार में दिखाई देते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से किरदार की गंभीरता और भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारा है। वहीं, शरद केलकर ने एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग से प्रभावित किया है। उनके किरदार में दिखने वाला बदलाव और रहस्यमयी अंदाज कहानी के सस्पेंस को और मजबूत बनाता है। नेहा सरगम ने भी अपने किरदार को सहजता से निभाया है, जबकि शाजी चौधरी और वीरेंद्र सक्सेना ने अपनी मौजूदगी से कहानी को मजबूती दी है।

डायरेक्शनः हारिस इम्तियाज खान ने फिल्म के निर्देशन में एक अलग तरह के हॉरर और सस्पेंस को पेश करने की कोशिश की है। फिल्म का कॉन्सेप्ट इसकी सबसे बड़ी खासियत है, जिसे निर्देशक ने गांव के माहौल और खेती से जुड़े रहस्यों के जरिए पर्दे पर उतारा है। 1 घंटा 49 मिनट की इस फिल्म में कहानी की रफ्तार बनी रहती है और इसे बेवजह लंबा नहीं खींचा गया है। रहस्यमयी घटनाओं को धीरे–धीरे सामने लाने का तरीका दर्शकों की उत्सुकता बनाए रखता है।

खड़े रहकर करें आसान योगासन



कहते हैं योग करने से शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ होता है। योग मस्तिष्क को पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। जिससे हमारे मस्तिष्क कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आप भी चाहते हैं आपके बच्चे का ब्रेन का विकास सही ढंग से हो। बच्चे की याददाश्त बेहतर करने के लिए इन 7 योगासन को जरुर करें।

योग एक जादुई अभ्यास है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और कल्याण को बढ़ावा देने में काफी मदद करता है। यह गहरी सांस लेने और शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान देने पर जोर देता है, जिससे हमारी एकाग्रता और याददाश्त में सुधार हो सकता है। योग मस्तिष्क सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे हमारे संज्ञानात्मक कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चो से लेकर छात्रों की शिक्षा के लिए योग करना काफी जरुरी होता है। इससे गहरी एकाग्रता हासिल कर सकते हैं और अपनी याददाश्त में सुधार लाया जा सकता है। आइए जानते हैं इन 7 योग आसन के बारें में आपको बताते हैं, जिनसे बच्चों की याददाश्त बढ़ा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

ज्यादातर स्कूलों में रोजाना सूर्य नमस्कार अभ्यास किया जाता है, यह योग आसन शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार से लेकर एकाग्रता में सुधार तक के लाभों के लिए जाना जाता है। यह प्रणामासन से शुरू होने वाले 12 योग आसनों का एक संयोजन है जिसमें गहरी सांस लेना और सीधे खड़े होना शामिल है।

बालासन

इस योग के करने से बच्चों की याददाश्त बेहतर रहती है। इसको करने के लिए आप चटाई पर घुटने टेकें जब तक कि आपकी पीठ आपकी एड़ी पर न टिक जाए। अपने हाथ फैलाएं और सांस लें। यह आसन विश्राम को बढ़ावा देता है और मानसिक स्पष्टता में सुधार करता है।

अनुलोम वोलोम प्राणायान

अनुलोम वोलोम प्राणायान योग करने से चिंता और तनाव कम हो जाता है। इसे करने के लिए प्रत्येक नासिका छिद्र से सांस लेना और छोड़ना शामिल है। इस अभ्यास से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है।

वृक्षासन

इस योग करने से तनाव दूर होता है। बच्चों का दिमाग भी तेज होता है। इसको करने के लिए एक पैर पर शरीर को संतुलित करना और दूसरे पैर को खड़े पैर की भीतरी जांघ पर रखना शामिल है। आपकी भुजाएं ऊपर की ओर फैली हुई, मुड़ी हुई होनी चाहिए। यह अभ्यास फोकस को बढ़ा सकता है जिससे याददाश्त बेहतर हो सकती है।

सर्वांगासन

सर्वांगासन एक पूर्ण शरीर का व्यायाम है जिसमें खुद को उल्टा करना और कंधों परप शरीर का बल छोड़ना होता है। यह योग पोज शक्ति, लचीलेपन और परिसंचरण को बढ़ा सकता है और मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है।

त्राटक ध्यान

त्राटक ध्यान में एक आरामदायक स्थिति में बैठना और एक बिंदु, आमतौर पर मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। यह व्यायाम मानसिक स्वस्थ में सुधार कर सकता है, याददाश्त बढ़ा सकता है और जागरूकता की भावना को बढ़ाता है। इसके अलावा इस एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी भी बेहतर हो सकती है।

पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन करने के लिए रीढ, कंधों और हैमस्ट्रिंग को फैलता है। इसके करने से प्रवाह में काफी सुधार करता है और फोकस को बढ़ाते हुए याददाश्त में सुधार कर सकता है। इस योगासन को करने के लिए अपने पैरों की उंगलियों को अपने सामने फैलाकर फर्श पर बैठें, इसके बाद अपनी हड्डी को फर्श को दिशा में दबाएं और अपनी रीढ़ को लंबा करें। कुछ समय के लिए सांसे छोड़ें और अंदर लें।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ठंड में बीमारियों से बचने के लिए खाएं ड्राई फ्रूट्स



बादाम, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिलती है और एनर्जी का स्तर बढ़ता है। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

ड्राई फ्रूट्स स्वाद से भरपूर होते ही हैं। इसके साथ इनमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। सूखे मेवे न्यूट्रिशन का पावरहाउस होता है। इनमें प्रोटीन, फाइबर, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। क्या आप जानते हैं ड्राई फ्रूट्स भिगोकर खाने से कई फायदे होते हैं। बादाम, खजूर, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोकर खाने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिल सकती है, ऊर्जा बढ़ सकती है और आप हाइड्रेटेड महसूस कर सकते हैं। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

बादाम

बादाम में उच्च प्रोटीन पाया जाता है और यह मस्तिष्क तेज करने लाभों के लिए जाना जाता है। बादाम खाने से पाचन स्वस्थ रहता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य का ठीक करता है। ब्लड शुगर के स्तर को विनियमित करता है। इसके सेवन से शरीर को एनर्जी मिलती है। बादाम को भिगोकर खाने से स्वाद के साथ स्किन के लिए भी हेल्दी होता होता है। प्रोटीन, आयरन, फॉस्फोरस और फाइबर से भरपूर बादाम रोज सुबह खाली पेट भीगे हुए बादाम का सेवन करने से मानसिक सतर्कता और याददाश्त भी बढ़ती है।

खजूर

खजूर में कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और प्रचुर मात्रा में फाइबर के साथ ही नेचुरल मिठास प्रदान करता है। रात भर खजूर को भिगोने से उनकी बनावट नरम हो जाती है। आयरन का स्तर बढ़ता है, पाचन स्वास्थ्य को बेहतर करता है और हड्डियों को स्वास्थ रखता है।

अखरोट

ओमेगा–3 फैटी एसिड, खनिज और विटामिन से भरपूर, अखरोट मस्तिष्क के कार्य में सहायता करते हैं, चयापचय को बढ़ाते हैं और भीगे हुए अखरोट खाने से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। भिगोने से उनकी कड़वाहट भी कम हो जाती है और उनके पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता में सुधार होता है।

किशमिश

किशमिश पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इसे आप अपनी दिनचर्या में जरुर शामिल करें। भीगी हुईं किशमिश खाने से त्वचा के लिए बेहतरीन होती है। किशमिश में कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखता है।

अंजीर

रोजाना सुबह भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर स्वस्थ रहता है। अंजीर में फाइबर होता है जो पाचन संबंधित समस्याओं को ठीक करता है। अंजीर को रात भर भिगोकर खाने से पाचन में सहायता होती है और प्रतिरक्षा को मजबूत करता है और शरीर की कमजोरी को दूर करता है।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।



बढ़ा बीपी करें खुद से घर पर कंट्रोल





हाल में एक शोध से पता चला है कि 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखा है। इन परिणामों से पता चला है कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ने से शरीर स्वस्थ रहता है। रोजाना केवल 5 मिनट के लिए व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होता है कंट्रोल।

आजकल के ज्यादातर लोगों में अनियमित ब्लड प्रेशर देखने को मिल रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ब्लड प्रेशर को सही ढंग से प्रबंधित करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। जो लोग रोजाना 30 से 60 मिनट तक व्यायाम करते हैं, हेल्थ बेहतर रहती है। लेकिन, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन द्वारा एक अध्ययन से पता चला है कि रोजाना केवल 5 मिनट के लिए एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को कम करने में बेहद फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं, इस शोध से पता चला है कि ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए तीव्र या कठिन व्यायाम की तुलना में नियमित, छोटे व्यायाम करना अधिक असरदार होता है।

क्या कहती है रिसर्च?

दरअसल, वेबएमडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शोध लंदन यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह था कि क्या 5 मिनट का व्यायाम किसी व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।

गौरतलब है कि, शोधकर्ताओं ने 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखें। इन परिणामों से पता चला कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ना जैसे व्यायाम के केवल 5 मिनट अतिरिक्त शामिल किए। जिससे रक्तचाप के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

इतना ही नहीं, इस अध्ययन में यह भी पता चला कि एक्सरसाइज चाहे किसी भी प्रकार की हो, यह ब्लड प्रेशर सकारात्मक प्रभाव मिलता है। छोटे व्यायाम उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जिन्हें हर दिन शारीरिक गतिविधि में शामिल होने में कठिनाई होती है।

5 मिनट के व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होगा कंट्रोल

वैज्ञानिकों के अनुसार, रोजाना केवल 5 मिनट के व्यायम करने से ब्लड प्रेशर मैनेज होता है साथ ही अन्य संबंधी चिंताओं को भी दूर कर सकता है। शोध में आगे पता चला है कि उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने के लिए कठिन एक्सरसाइज करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, साइकिल चलाना या सीढ़ियां चढ़ना जैसी छोटी दैनिक गतिविधियों को शामिल करने से बहुत लाभ मिल सकता है। लेकिन, ये व्यायाम केवल तभी फायदा करेंगा जब आप इसे रोजाना करें। कई अध्ययनों से पता चला है कि ब्लड प्रेशर के स्तर को सामान्य रुप से बनाए रखने के लिए शरीर को निरंतर शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

किस समय कॉफी पीना चाहिए



आजकल की अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से एक है फैटी लिवर। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। अधिक शराब पीने, बाहर का खाना खाने और कम शारीरिक गतिविधि करने से यह समस्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर के मरीजों के लिए कॉफी पीना फायदेमंद साबित हो सकता है।

फैटी लिवर क्या है?

फैटी लिवर एक ऐसी बीमारी है जिसमें लिवर के अंदर वसा (फैट) जमा हो जाता है। यह मोटापा, गलत खान–पान और शराब पीने की आदतों के कारण हो सकता है। हालांकि यह समस्या ज्यादातर लक्षणहीन होती है, पर कुछ मामलों में थकान, पेट दर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है।

कॉफी कैसे फायदेमंद है?

एंटीऑक्सीडेंट्स

कॉफी में पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। यह लिवर में जमा फैट को कम करने और सूजन को रोकने में सहायक हैं।

लिवर एंजाइम्स

कॉफी में कुछ ऐसे एंजाइम्स होते हैं जो लिवर को साफ करने और अतिरिक्त फैट को हटाने में मदद करते हैं। यह लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी सहायक हैं।

एंटी–इंफ्लामेटरी गुण

कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड और कैफीन जैसे तत्व होते हैं, जो लिवर में सूजन को कम करने का काम करते हैं। सूजन को नियंत्रित कर लिवर के कार्य में सुधार लाया जा सकता है।

कौन सी कॉफी बेहतर है?

फैटी लिवर में काली कॉफी (ब्लैक कॉफी) पीना सबसे फायदेमंद मानी जाती है। ब्लैक कॉफी में चीनी और दूध नहीं मिलाया जाता, जिससे इसमें ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स और एंजाइम्स होते हैं। यह लिवर को साफ रखने और फैट कम करने में सहायक होती है। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि काली कॉफी पीने से फैटी लिवर का खतरा 71: तक कम किया जा सकता है।

किन लोगों को कॉफी से परहेज करना चाहिए?

दिल के मरीजों को हार्ट की समस्याओं से जूझते समय सीमित मात्रा में ही कॉफी पीनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि वे अपनी सेहत का ध्यान रखें और कॉफी के सेवन को नियंत्रित करें, ताकि उनकी स्थिति और न बिगड़े। महिलाओं को भी काली कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अधिक मात्रा में कॉफी पीने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। पाचन और गैस की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को भी कॉफी का सेवन कम करना चाहिए। गैस या पाचन संबंधी समस्याएं होने पर कॉफी पीने से स्थिति और बिगड़ सकती है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। पैनिक अटैक के मरीजों को कॉफी से दूर रहना चाहिए, क्योंकि कैफीन उनकी परेशानी को बढ़ा सकता है। ऐसे लोगों के लिए यह सलाह दी जाती है कि वे कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें, ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

फैटी लिवर के शुरुआती लक्षण

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना। अचानक वजन कम होना। पेट में दर्द रहना। जी मिचलाना, उल्टी की इच्छा होना। भूख कम लगना। फैटी लिवर के उपचार में कॉफी का नियमित सेवन लाभकारी हो सकता है, पर इसका सेवन सीमित मात्रा में और सही समय पर करना जरूरी है।

संक्षिप्त



ट्रूआरई ओरियाना पावर तीन राज्यों में 5 नए CBG प्लांट पर 750 करोड़ रुपये खर्चेगी

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी ट्रूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड वैकल्पिक ईंधन क्षेत्र में विस्तार करते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 110 टन प्रतिदिन की संयुक्त उत्पादन क्षमता वाले पांच कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने के लिए 750 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि इन संयंत्रों के अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को पंजीकृत करा लिया गया है और सरकार की गोवर्धन पहल के तहत मंजूरी भी मिल गई है। यह निवेश सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर जैव ऊर्जा में कंपनी के विस्तार को दर्शाता है। गौरतलब है कि भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रहा है। ट्रूआरई ओरियाना पावर के संस्थापक, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रूपल गुप्ता ने कहा, हम हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखते हैं। हम इन खंडों में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इन पांच संयंत्रों की स्थापना हरित ईंधन में मजबूत पकड़ बनाने की हमारी योजना का हिस्सा है। अगले कुछ वर्षों में, हम अपनी कुल उत्पादन क्षमता को और बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से निवेश करना जारी रखेंगे। कंपनी इससे पहले उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 21–21 टन प्रतिदिन क्षमता वाली दो सीबीजी परियोजनाएं पूरी कर चुकी है।

मिडवेस्ट एनर्जी को मिला दुर्लभ पृथ्वी स्थाई चुंबक प्रोजेक्ट

मिडवेस्ट एनर्जी लिमिटेड को केंद्र की 7,280 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना के तहत सालाना 1,200 टन क्षमता वाली दुर्लभ पृथ्वी स्थाई चुंबक विनिर्माण परियोजना स्थापित करने के लिए चुना गया है। यह इलेक्ट्रिक परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की घरेलू क्षमता निर्माण के लिए भारत के प्रयासों में एक बड़ा कदम है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सिंटरित दुर्लभ पृथ्वी स्थाई चुंबक (आरईपीएम) के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के तहत सफल बोलीदाता के रूप में उभरने के बाद उसे भारी उद्योग मंत्रालय से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। उसने इस परियोजना के लिए 505.05 रुपये प्रति किलोग्राम की बिक्री प्रोत्साहन दर का उल्लेख किया था। यह आशय पत्र सशर्त है, जिसके तहत मिडवेस्ट एनर्जी को इसके मिलने के 90 दिनों के भीतर 40 करोड़ रुपये की प्रदर्शन सुरक्षा जमा करनी होगी। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सरकार यह सत्यापित करने के बाद अंतिम आवंटन पत्र जारी करेगी कि क्या उसने योजना और प्रस्ताव के अनुरोध (आरएफपी) के तहत निर्धारित शर्तों को पूरा कर लिया है। मिडवेस्ट एनर्जी की पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सौम्या कोल्लारेड्डी ने कहा, यह आशय पत्र दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक विनिर्माण में घरेलू क्षमता बनाने के लिए मिडवेस्ट एनर्जी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम स्वदेशी विनिर्माण क्षमताएं विकसित करने और महत्वपूर्ण सामग्रियों के लिए आपूर्ति शृंखला बनाने के भारत के प्रयासों में योगदान देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सेबी एफपीआई नियमों में ढील के लिए जल्द जारी करेगा परामर्श पत्र

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि बाजार नियामक सेबी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए नियमों को और सरल बनाने के मकसद से जल्द ही एक परामर्श पत्र जारी करेगा। इसमें ऐसे कुछ प्रतिबंधों को हटाने का प्रस्ताव होगा, जो अन्य देशों में लागू नहीं हैं। इस कदम का उद्देश्य अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को कम करना, देश के नियामकीय रूपरेखा को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना और विदेशी पूंजी के व्यापक निवेश को आकर्षित करना है। पांडेय ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम में कहा, ''हम बहुत जल्द एक परामर्श पत्र जारी करेंगे। इसमें भारत में एफपीआई के परिचालन को और सरल बनाने के लिए कुछ ऐसी अन्य बाधाओं को हटाने का सुझाव दिया जाएगा, जो दूसरे देशों में नहीं हैं, लेकिन हमारे यहां हैं। इस साल ज्यादातर समय विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसा निकाला है, लेकिन हाल के दिनों में उन्होंने अपना निवेश बढ़ाया है। पांडेय ने कहा कि सेबी एफपीआई के पंजीकरण की प्रक्रिया में लगने वाले समय को घटाकर पांच कार्यदिवस तक लाने पर काम कर रहा है। स्वागत–एफआई व्यवस्था के तहत पंजीकृत कुछ निवेशकों का पंजीकरण पहले ही इस समयसीमा में पूरा किया जा चुका है। स्वागत–एफआई व्यवस्था के तहत करीब 740 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पंजीकरण कराया है। इनकी हिस्सेदारी एफपीआई की कुल परिसंपत्तियों में 17 प्रतिशत है। नियामक ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के पावर ऑफ अटॉर्नी की प्रक्रिया को भी डिजिटल कर दिया है और वित्तीय लागत घटाने के लिए शुद्ध निपटान की सुविधा शुरू की है। एक दिसंबर से संबंधित एफपीआई के लिए ग्राहक पहचान (केवाईसी) प्रक्रिया की समीक्षा की अवधि एक और तीन वर्ष से बढ़ाकर क्रमशः दो और आठ वर्ष की जाएगी। इससे बार–बार अनुपालन की जरूरत कम होगी। सेबी ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) और विदेशी नागरिकों के लिए डिजिटल पंजीकरण की प्रक्रिया भी सरल बनायी है। पात्र निवेशक अब भारत आए बिना ही अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और उसके पुनः सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। पांडेय ने कहा कि घरेलू बचत पूंजी बाजार के लिए मजबूत आधार उपलब्ध कराती है, जबकि विदेशी निवेश से अतिरिक्त पूंजी आती है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में पूंजी जुटाने का आंकड़ा करीब नौ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

पहला टेस्ट: दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों का दिखा दम, यशस्वी–राहुल के अर्धशतक; न्यूजीलैंड पर बढ़त लेने की चुनौती

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने शानदार बल्लेबाजी की। इन दोनों ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि, टीम इंडिया अभी भी न्यूजीलैंड से 209 रन पीछे चल रही है।

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए। जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने पहली पारी में एक विकेट पर 159 रन बनाए हैं और वह अभी 209 रन पीछे है। भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। स्टंप्स के समय केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

यशस्वी–राहुल के बीच साझेदारी

भारत को एकमात्र झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वह शतक से चूक गए। यशस्वी ने 89 गेंद पर 16 चौके की मदद से 85 रन की तेज पारी खेली। यशस्वी ने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। यशस्वी ने पहले विकेट के लिए राहुल के साथ 130 रन जोड़े। इसके बाद राहुल ने भी टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। यशस्वी को मैट हेनरी ने विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया। राहुल और यशस्वी ने कुछ मुश्किल क्षणों का सामना किया। भारत ने अपना पहला रन पांचवें ओवर में बनाया जब जायसवाल का कवर ड्राइव शॉट वाइड थर्ड स्लिप के ऊपर से निकलकर चौके के लिए चला गया। राहुल का भाग्य ने साथ दिया क्योंकि वह काइल जैमीसन की गेंद पर डीआरएस अपील से बच गए, जबकि मैट हेनरी ने उन्हें बिल्कुल सामने गेंद फेंकी थी, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने डीआरएस न लेने का फैसला किया। राहुल और यशस्वी ने जिम्मेदारी से पारी आगे बढ़ाई और शतकीय साझेदारी की। 17 टेस्ट और 30 पारियों बाद



भारत ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इससे पहले आखिरी बार नवंबर 2024 में पर्थ में खेले गए टेस्ट में इन दोनों ने 201 रनों की साझेदारी की थी। दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले केएल राहुल ने भी पचासा पूरा किया। 2016 के बाद यह पहली बार है जब मेहमान टीम के दोनों ओपनरों ने न्यूजीलैंड में टेस्ट मैच में 50+ स्कोर बनाया है। इससे पहले 2016 में ऐसा हुआ था।

न्यूजीलैंड की पहली पारी

इससे पहले, दूसरे दिन मेजबान टीम की पहली पारी 368 रन पर समाप्त हो गई थी। न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 243 रन से आगे खेलना शुरू किया। दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने 125 रन जोड़े और बाकी के पांच विकेट गंवा किए। हेनरी निकोल्स 175 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 118 रन की शानदार पारी खेली। एक वक्त न्यूजीलैंड ने 70 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इन दोनों ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

निकोल्स ने खेली 175 रन की नाबाद पारी

हेनरी निकोल्स ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। उन्होंने 335 गेंदों पर 175 रन बनाए। उनकी पारी में 21 चौके शामिल रहे। निकोल्स ने पहले दिन अपना शतक पूरा किया था और दूसरे दिन भी अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी। ग्लेन फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। उनकी पारी में 14 चौके शामिल रहे। दोनों के बीच 394 गेंदों में 216 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स दूसरे दिन आकाश दीप की गेंद पर बोल्ड हुए।

फिलिप्स का विकेट आज भारत को मिला पहला विकेट रहा। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने नाथन स्मिथ (14) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। फिर आकाश दीप ने काइल जेमीसन को 11 रन के निजी स्कोर पर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। बुमराह ने मैट हेनरी (1) को पवेलियन भेजकर अपना चौथा विकेट हासिल किया। जबकि अंशुल कंबोज ने जैकब डफी (4) को आउट कर न्यूजीलैंड की पारी समेट दी।

बुमराह–आकाश दीप का कमाल

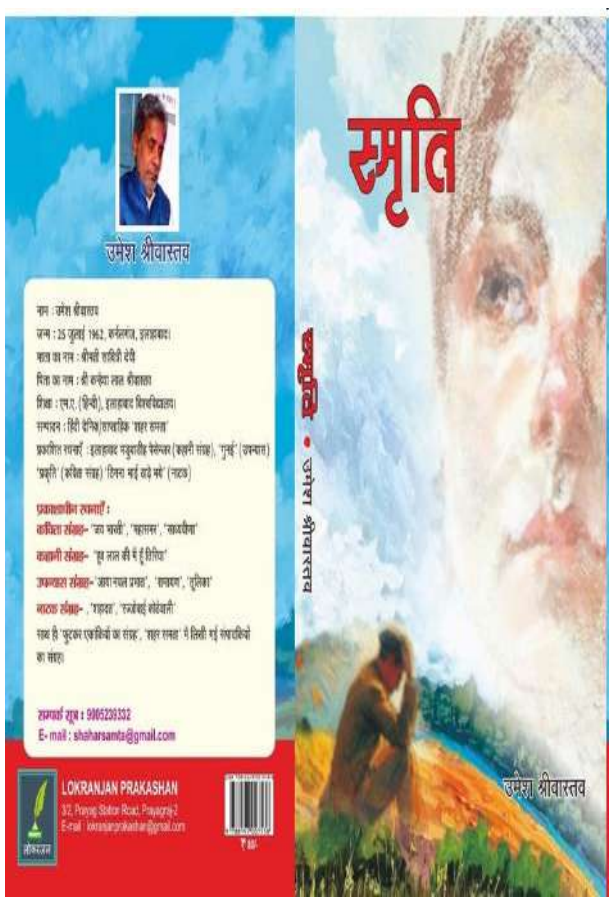
भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 ओवर में 92 रन देकर चार विकेट लिए। आकाश दीप ने 23 ओवर में 53 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। अंशुल कंबोज को दो सफलताएं मिलीं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। पहले दिन टॉम लाथम खाता खोले बिना आउट हुए थे। वहीं, डेवोन कॉनवे चार रन, रचिन रवींद्र 15 रन, डेरिल मिचेल एक रन और टॉम ब्लंडेल पांच रन बनाकर आउट हुए थे।

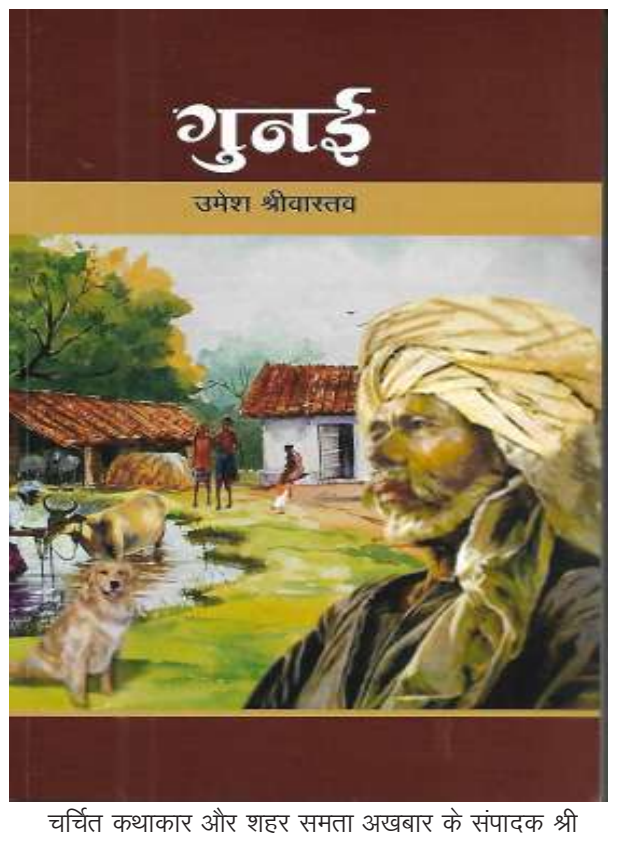
दिल्ली कैपिटल्स ने जयवर्धने को सौंपी नई जिम्मेदारी, नियुक्ति पर क्या बोले पूर्व बल्लेबाज ?

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीजन से पहले श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर माहेला जयवर्धने को अपनी महिला टीम का डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इस नियुक्ति की घोषणा की। जयवर्धने अब टीम से जुड़े सभी क्रिकेटिंग मामलों की जिम्मेदारी संभालेंगे। नई भूमिका में जयवर्धने टीम की रणनीति तैयार करने, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और खिलाड़ियों के साथ–साथ कोचिंग स्टाफ के विकास पर काम करेंगे। उनका लक्ष्य टीम के प्रदर्शन में निरंतरता लाने और उसे खिताब का मजबूत दावेदार बनाने का होगा। महेला जयवर्धने ने इस नई जिम्मेदारी को लेकर खुशी जाहिर की। जयवर्धने ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य को लेकर उसका विजन काफी शानदार है। डब्ल्यूपीएल टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की जिम्मेदारी संभालकर मैं बेहद खुश हूं। मेरा ध्यान टीम की मौजूदा खूबियों को और मजबूत करने, प्रदर्शन में निरंतरता लाने और यह सुनिश्चित करने पर रहेगा कि हम लगातार आगे बढ़ें और खिताब जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करें। मैं इस टीम के साथ मिलकर हासिल की जाने वाली उपलब्धियों को लेकर उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स के सह–मालिक और जीएमआर स्पोर्ट्स के चेयरमैन किरण कुमार ने जयवर्धने की नियुक्ति पर कहा, माहेला की नियुक्ति महिला टीम को अनुभव और रणनीतिक नेतृत्व का एक नया आयाम देगी। आधुनिक क्रिकेट की उनकी समझ और प्रतिस्पर्धी टीम बनाने का अनुभव

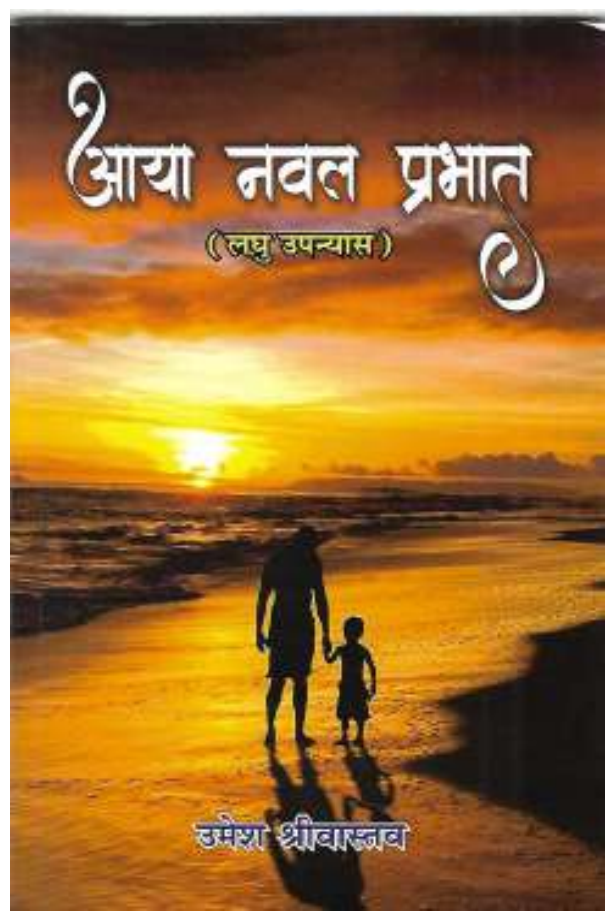


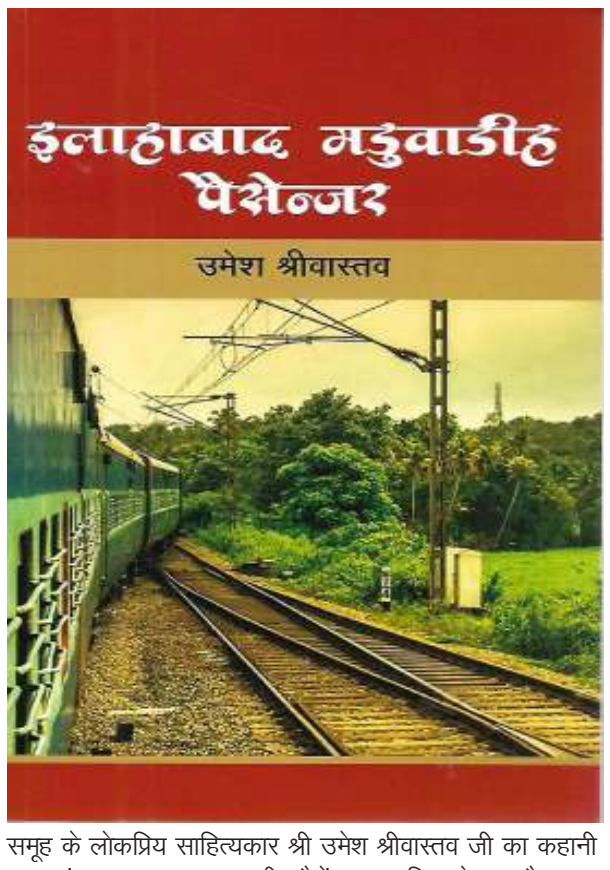
दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम को अगले स्तर तक ले जाने में काफी उपयोगी साबित होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और सह–मालिक पार्थ जिंदल ने कहा, माहेला क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दिमागों में से एक हैं। एक खिलाड़ी, कप्तान और कोच के रूप में उनका रिकॉर्ड खुद उनकी क्षमता बयां करता है। हम दिल्ली कैपिटल्स परिवार में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि उनका अनुभव और नजरिया टीम के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।



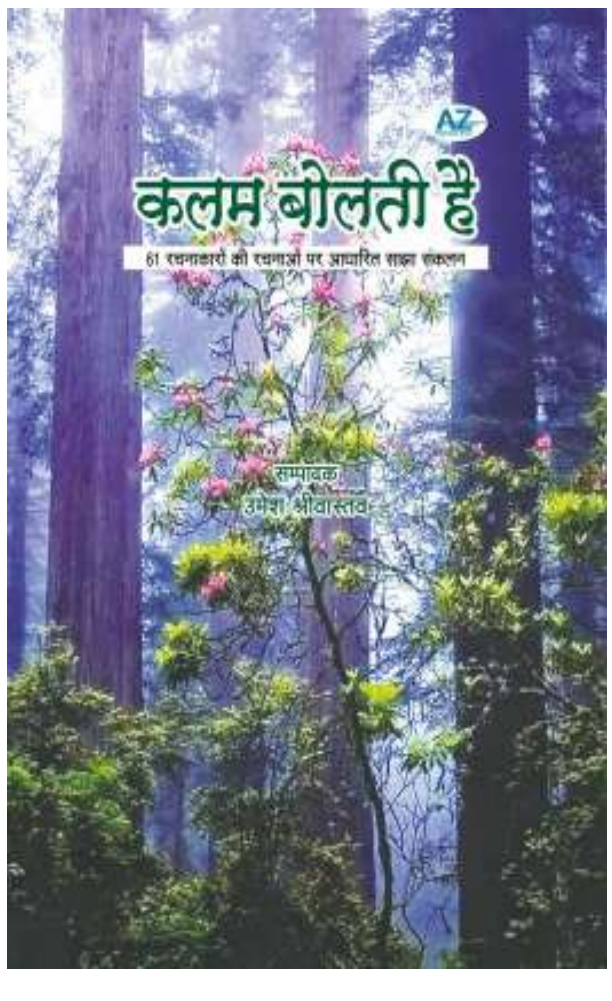


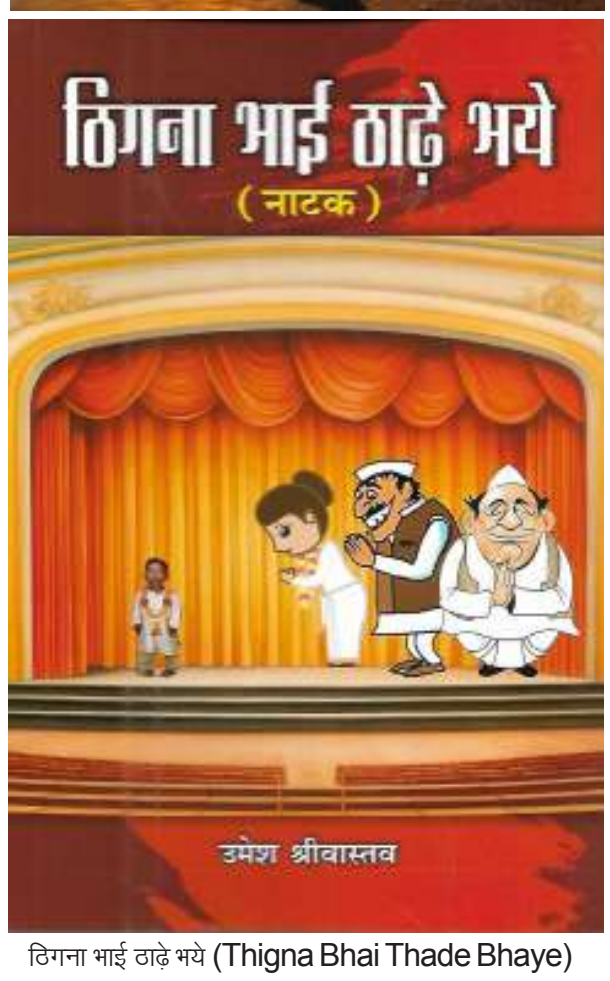
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

खैबर पख्तूनख्वा दौरे पर आसिम मुनीर बोले, आतंकवाद का पूरी तरह होगा खात्मा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दौरे के दौरान देश से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया करने का सुरक्षा बलों का दृढ़ संकल्प दोहराया। सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में बताया कि मुनीर ने उत्तर वजीरिस्तान जिले के मीरानशाह का दौरा किया। वह पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) भी हैं। इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बयान में कहा, उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय में आतंकवाद के खतरे को निर्णायक रूप से समाप्त करने तथा खैबर पख्तूनख्वा में मुश्किलों से हासिल शांति और स्थिरता बनाए रखने के सुरक्षा बलों के अटूट संकल्प को दोहराया। मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा पुलिस की भी सराहना की और आतंकवाद तथा फितना–अल–खवारिज के खिलाफ उसके धैर्य, साहस और बलिदान पर गर्व जताया। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए फितना–अल–खवारिज शब्द का इस्तेमाल करती है। आईएसपीआर के अनुसार, दौरे के दौरान सीडीएफ मुनीर को मौजूदा सुरक्षा स्थिति, खुफिया सूचनाओं के आधार पर जारी अभियानों और आतंकवाद विरोधी निरंतर प्रयासों से हासिल उपलब्धियों को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि मुनीर ने अधिकारियों और जवानों से भी बातचीत की तथा उनकी उच्चस्तरीय तैयारी, पेशेवर दक्षता और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। पाकिस्तान के दो प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा बल लगातार आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं। इन दोनों प्रांतों में आतंकवादी गतिविधियों का विशेष रूप से असर रहा है। आईएसपीआर ने शनिवार को बताया था कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के उत्तर वजीरिस्तान में खुफिया सूचनाओं के आधार पर चलाए गए अभियानों में एक मेजर समेत चार सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि 24 आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा, पिछले सप्ताह खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में चलाए गए अभियानों में 74 आतंकवादी मारे गए थे।

पीएम नरेन्द्र मोदी के न्योते पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 22 नवंबर को आएंगे भारत

काठमांडू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर 22 नवंबर को नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वर्ष 27 मार्च को पदभार संभालने के बाद शाह की यह पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी। हालांकि, वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका गए थे। विदेश मंत्रालय के सचिव अमृत बहादुर राय ने पत्रकारों को बताया कि 36 वर्षीय शाह 34 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसमें वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार कुमार ब्यंजनकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ भारत आएंगे। विदेश सचिव ने बताया कि यात्रा के दौरान शाह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शाह से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री शाह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी करने के बाद 23 नवंबर को स्वदेश लौट आएंगे। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अलग कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। मार्च में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता के नेतृत्व में सरकार बनने के समय मोदी ने शाह को भारत आने का निमंत्रण दिया था। यह सरकार पिछले साल सितंबर में युवा नेतृत्व वाले 'जेन–जी' आंदोलन के कारण के.पी. शर्मा ओली सरकार के सत्ता से हटने के करीब छह महीने बाद बनी थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने मुताबिक, शाह की भारत यात्रा के दौरान रेल, सड़क और हवाई संपर्क, बुनियादी ढांचे का विकास, आपसी सहयोग, व्यापार और पर्यटन समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्रियों की यह लंबे समय से परंपरा रही है कि वे अपनी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा के लिए भारत को चुनते हैं। हालांकि, यह परंपरा कोई अनिवार्य नियम नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने 2024 में पहले चीन की यात्रा करके इस परंपरा से अलग रास्ता अपनाया था।

कर्स्टन डेविस बनीं अमेरिका की नयी राष्ट्रीय साइबर निदेशक, व्हाइट हाउस ने दी मंजूरी

व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को देश की नयी राष्ट्रीय साइबर निदेशक की नियुक्ति की। यह नियुक्ति ऐसे समय में की गई है जब हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर सेवाएं बाधित होने से आम अमेरिकियों का जनजीवन प्रभावित हुआ है और उनमें चिंता बढ़ी है। रक्षा विभाग की मुख्य सूचना अधिकारी कर्स्टन डेविस इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल के कई सदस्यों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। वह प्रशासन के शीर्ष साइबर सुरक्षा अधिकारी के रूप में शॉन केर्नक्रॉस की जगह लेंगी। डेविस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''हमारा देश एनालॉग, डिजिटल और क्वांटम प्रौद्योगिकियों के चौराहे पर खड़ा है। अमेरिकी जीवनशैली तेजी से एक–दूसरे से जुड़ी तकनीकों पर निर्भर होती जा रही है।''

अमेरिका में बैंकिंग से लेकर विमान सेवाओं तक ठप हुए सिस्टम: क्या अमेरिका पर किसी बड़े साइबर अटैक का मंडरा रहा है खतरा ?



अमेरिका के सबसे बड़े और प्रमुख बैंकों में से एक जेपी मॉर्गन चेजके लिए काम करने वाली कुछ बाहरी सेवा प्रदाता कंपनियों (थर्ड–पार्टी वेंडर्स) पर हुए साइबर हमले के बाद बैंक के हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। हालांकि, बैंक प्रशासन ने ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इस डेटा लीक में क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते से जुड़ी कोई भी अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी शामिल नहीं है। बैंक ने हालांकि कहा कि इस घटना का इस सप्ताह की शुरुआत में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से कोई संबंध नहीं है और लीक हुई जानकारी में क्रेडिट कार्ड से संबंधित विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी शामिल नहीं है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से चेज बैंक के ग्राहकों और उसके कुछ कर्मचारियों के ईमेल पते शामिल हैं। कुछ मामलों में उनके फोन नंबर भी सार्वजनिक हुए हैं। बैंक के प्रवक्ता जो एवेंजेलिस्टी ने बृहस्पतिवार को कहा, ''हमें पता चला है कि बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर साइबर हमले किए गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब तक की जांच के आधार पर हमारा मानना है कि हमलावरों ने इन कंपनियों के पास मौजूद मार्केटिंग से संबंधित कुछ डेटा तक पहुंच हासिल कर ली। इसमें कुछ ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं।'' 'वीजा' और 'मास्टरकार्ड' ने भी डेटा लीक होने की पुष्टि की है। हालांकि, दोनों कंपनियों ने स्पष्ट किया कि इस साइबर हमले से उनके कामकाज या ग्राहकों की भुगतान संबंधी जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा है। इस घटना से प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के कुल ग्राहक आधार का एक बेहद छोटा हिस्सा है। चेज बैंक के करोड़ों ग्राहक हैं, जबकि वीजा और मास्टरकार्ड के दुनिया भर में अरबों ग्राहक हैं। वहीं, मास्टरकार्ड के प्रवक्ता सेथ आइजन ने कहा, ''फिलहाल डेटा लीक होने की घटना पर काबू पा लिया गया है और हमारी टीमें संबंधित सेवा प्रदाता के साथ मिलकर जरूरत पड़ने पर प्रभावित कार्डधारकों की सहायता कर रही हैं।'' बैंक ने स्पष्ट किया कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में चेज की बैंकिंग सेवाओं में आई बाधा से पूरी तरह अलग घटना है। उस समय सॉफ्टवेयर में खराबी के कारण बैंक की कुछ सेवाएं ठप हो गई थीं। हालांकि, यह साइबर हमला दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में हाल के दिनों में सामने आई तकनीकी समस्याओं की शृंखला में ही एक कड़ी है। इन समस्याओं के कारण विमान सेवाओं को रोकना पड़ा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट की बुनियादी ईमेल सेवाएं भी बाधित हुई।

तकनीकी खराबी से अलग है यह साइबर हमला

इस सप्ताह की शुरुआत में जेपी मॉर्गन चेज की बैंकिंग सेवाओं में बड़ी तकनीकी बाधा देखने को मिली थी, जिसके कारण ग्राहकों को लेनदेन में काफी परेशानी हुई थी। बैंक ने स्पष्ट किया है कि थर्ड–पार्टी वेंडर्स पर हुआ यह साइबर हमला उस तकनीकी खराबी से पूरी तरह अलग घटना है। उस समय बैंक की आंतरिक सॉफ्टवेयर प्रणाली में आई खराबी के कारण सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हुई थीं। हालांकि, यह ताजा साइबर हमला वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में हाल के दिनों में सामने आई डिजिटल और तकनीकी समस्याओं की शृंखला में एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में वैश्विक स्तर पर आई तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कई प्रमुख विमान सेवाओं का संचालन रोकना पड़ा था, वहीं दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की बुनियादी ईमेल और क्लाउड सेवाएं भी बुरी तरह बाधित हुई थीं।

इराक युद्ध की तरह US फिर गढ़ रहा फर्जी कहानी, जैविक हथियारों के दावों पर बोला ईरान



ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि तेहरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है। उन्होंने वाशिंगटन पर आरोप लगाया कि वह 2003 में इराक पर हमले से पहले लगाए गए बेबुनियाद आरोपों के पैटर्न को ही दोहरा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में बघाई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के आरोप तो बदलते रहते हैं, लेकिन उनके पीछे की कहानी वही पुरानी है। उन्होंने इसकी तुलना 2003 में अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले से पहले इराक के कथित श्सामूहिक विनाश के हथियारोंश (डबे) के बारे में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा किए गए खुफिया दावों से की। बघाई ने कहा कि ईरानी परमाणु खतरेश की बड़ी कहानी के बाद, अब अमेरिकी अधिकारी दावा कर रहे हैं कि ऐसे संकेत हैं कि ईरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है! उन्होंने आगे कहा कि आरोप तो बदलते रहते हैं, लेकिन इनके पीछे की कहानी बहुत जानी–पहचानी और चिंताजनक है। ऐसा लगता है कि दुनिया से एक बार फिर यह उम्मीद की जा रही है कि वह सब कुछ भूल जाए – बिल्कुल फाइंडिंग निमो फिल्म की उस मछली डोरी की तरह, जिसे चीजें जल्दी भूल जाने की आदत थी। यह सवाल उठाते हुए कि क्या अमेरिकी अधिकारी यह उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इराक युद्ध से पहले की घटनाओं को भूल जाएगा, बघाई ने 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल की प्रस्तुति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि क्या अमेरिकी अधिकारी सच में यह उम्मीद करते हैं कि दुनिया 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने कॉलिन पॉवेल की उस कुख्यात उपस्थिति को भूल जाएगी, जब उन्होंने इराक के जनसंहार के हथियारों से जुड़े कथित खतरे को दिखाने के लिए एक छोटी शीशी दिखाई थी? बघाई ने इस घटना को आधुनिक इतिहास की सबसे गंभीर खुफिया विफलताओं और राजनीतिक धोखों में से एक का प्रतीक बताया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इराक के पास जनसंहार के हथियार होने के बेबुनियाद खुफिया दावों का इस्तेमाल जानबूझकर सैन्य हस्तक्षेप के लिए जनसमर्थन जुटाने के लिए किया गया था। बघाई ने कहा कि इराक के पास जनसंहार के हथियार होने के बेबुनियाद खुफिया दावों को जानबूझकर एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया, ताकि जनसमर्थन जुटाया जा सके और सैन्य हमले का रास्ता साफ हो सके। इसके नतीजे विनाशकारी रहे – न केवल इराकी लोगों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए और अंततः, खुद अमेरिकी समाज के लिए भी। आज इससे पहले, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जयराम रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी ने रोजगार और वेतन के मुद्दे पर कांग्रेस की ही बातों को दोहराया, जबकि इन्हीं बातों के लिए उन्होंने पहले विपक्षी पार्टी की आलोचना की थी। रमेश ने कहा, उन्होंने (पीएम मोदी ने) कहा कि कांग्रेस ने देश के वेल्थ क्रिएटर्स (संपत्ति सृजनकर्ताओं) का अपमान किया है और उनका सम्मान नहीं किया है। कल प्रधानमंत्री ने फिक्की को संबोधित किया। फिक्की के सौ साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। यह औद्योगिक जगत का एक प्रमुख नाम रहा हैकृहम इसे सौ सालों से जानते हैं और इसने स्वतंत्रता संग्राम में भी भूमिका निभाई थी।

तारिक रहमान का आरोप, अवामी लीग कर रही बांग्लादेश में अशांति फैलाने की साजिश

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर देश को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया तथा लोगों से एकजुट होकर आतंकवाद, हत्याओं और चुनाव में धांधली की राजनीति को फिर से शुरू करने की कोशिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की। भारत की सीमा से सटे उत्तर–पश्चिमी जिले लालमोनिरहाट में बृहस्पतिवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने आरोप लगाया कि अवामी लीग के समर्थक देश में अशांति फैलाने के लिए आगजनी और हत्याओं का सहारा ले रहे हैं। हसीना की पार्टी की ओर से बृहस्पतिवार को आयोजित देशव्यापी बंद के दौरान कई इलाकों में हिंसा की घटनाएं हुईं। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, रहमान ने कहा, देश की जनता जबरन गुमशुदगी, हत्याओं, आगजनी, आतंकवाद और लोगों के मतदान के अधिकार छीनने वाली राजनीति की ओर लौटना नहीं चाहती। आइए, हम एकजुट होकर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दें, ताकि वे दोबारा कभी बांग्लादेश और उसके लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सकें। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब देश के सात जिलों में आगजनी, देसी बम विस्फोट और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद अर्धसैनिक बलों के करीब 3,000 जवानों को तैनात किया गया है। इन घटनाओं के कारण देश के कई हिस्सों में परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि अवामी लीग की सरकार ने न केवल देश और जनता के हितों की अनदेखी की, बल्कि सीमा पार अपने आकाओं के हितों की भी सेवा की। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। रहमान ने कहा, देश से भागने के बाद भी उन्होंने एक बार फिर आगजनी और लोगों की हत्या की राजनीति शुरू कर दी है। वे पीछे से लोगों पर हमला कर रहे हैं और उनकी हत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब बहुत हो चुका। हमें इन आतंकवादियों, आगजनी करने वालों और हत्यारों को स्पष्ट जवाब देना होगा। 79 वर्षीय हसीना पांच अगस्त, 2024 को छात्र आंदोलन के कारण अपनी सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं और तब से भारत में रह रही हैं। अवामी लीग ने बृहस्पतिवार को सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया था। यह फैसला सरकार द्वारा हसीना को दिसंबर में स्वैच्छिक रूप से बांग्लादेश लौटने की योजना के लिए पासपोर्ट देने के उनके अनुरोध को खारिज किए जाने के बाद लिया गया। बंद की तारीख पिछले साल विशेष न्यायाधिकरण द्वारा सुनाए गए उस फैसले की वर्षगांठ के साथ भी मेल खाती है, जिसमें हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में उनकी अनुपस्थिति में सुनवाई के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। उन पर अपनी सरकार के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आरोप था। हसीना ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों और न्यायाधिकरण की कार्यवाही को खारिज किया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद संदिग्ध अवामी लीग कार्यकर्ताओं ने चटगांव में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में आग लगा दी। अधिकारियों के अनुसार, गोपालगंज जिले के काशियानी में प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस थाने, एक सांसद के आवास और उनके रिश्तेदारों एवं समर्थकों के कई घरों में आग लगाई। ढाका में सुबह होने से पहले देसी बम विस्फोट हुए। वहीं, नारायणगंज, मैमनसिंह और राजशाही में अलग–अलग घटनाओं में अज्ञात लोगों ने खड़ी पांच बसों और एक ट्रक में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि राजधानी में हिंसा की घटनाओं में कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। बंद से पहले हुई अलग–अलग घटनाओं में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के दो नेताओं समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले रहमान ने बीएनपी के सांसदों से अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लौटने और प्रशासन पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सड़कों पर सक्रिय मौजूदगी बनाए रखने को कहा था।

रोम में सम्राट ट्राजन कालीन अलेक्जेंड्रिया पुस्तकालय मरम्मत के बाद आम लोगों के लिए खुली

मिस्र का प्रसिद्ध अलेक्जेंड्रिया पुस्तकालय भले ही नष्ट हो गया हो, लेकिन प्राचीन दुनिया के एक अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकालय को रोम में मरम्मत के बाद इस सप्ताह फिर से आम लोगों के लिए खोला जा रहा है। उल्पिया पुस्तकालय के अवशेष सम्राट ट्राजन के फोरम में स्थित हैं। यह उस प्रसिद्ध स्तंभ के ठीक बगल में है, जो डेशिया के खिलाफ सम्राट के विजयी सैन्य अभियानों और वर्तमान रोमानिया पर रोमन साम्राज्य की विजय की याद दिलाता है। यह पुस्तकालय करीब एक सदी तक आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा। पुरातत्वविद् और रोम के सांस्कृतिक विरासत विभाग के अधीक्षक क्लाउडियो पारिसी प्रेसिचे ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में कहा, मिस्र के अलेक्जेंड्रिया पुस्तकालय और एशिया माइनर के पर्गामोन पुस्तकालय के बाद ट्राजन के फोरम का यह पुस्तकालय निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण पुस्तकालयों में से एक है। इसकी अहमियत प्राचीन समय में पुस्तकों के लिए इस्तेमाल होने वाले वॉल्यूमिना यानी हस्तलिखित ग्रंथों और दस्तावेजों की विशाल संख्या के कारण है। इस पुस्तकालय के अवशेष 1932 में उस समय मिले थे, जब बेनिटो मुसोलिनी की सरकार ने एक सड़क बनाने के लिए इस क्षेत्र की सफाई का काम शुरू कराया था। बाद में यह सड़क प्रसिद्ध 'विया देई फोरी इम्पीरियली' के नाम से जानी गई। खुदाई के बाद इस स्थल को कंक्रीट से ढक दिया गया और इसका इस्तेमाल ट्राजन फोरम से



मिले असंख्य पुरावशेषों को रखने के भंडार कक्ष के रूप में किया जाने लगा। ट्राजन का फोरम 112 ईस्वी में बनाया गया था और इसे रोमन साम्राज्य के शाही मंचों में सबसे भव्य और अंतिम माना जाता है। प्रेसिचे के अनुसार, इसकी दीवारों में बनी छोटी–छोटी जगहों से संकेत मिलता है कि वहां पुस्तकों की हस्तलिखित पांडुलिपियां रखने के लिए अलमारियां हुआ करती थीं। इससे पुष्टि होती है कि यह उल्पिया पुस्तकालय की दो मंजिला इमारतों में से एक थी, जिसका उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। रोम के सांस्कृतिक विरासत विभाग के पुरातत्वविदों ने इसकी पहचान उल्पिया पुस्तकालय की पश्चिमी इमारत के रूप में की है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, यहां यूनानी भाषा में लिखी पांडुलिपियां रखी जाती थीं।

इस स्थल पर शुरू की गई नई स्थायी प्रदर्शनी के जरिए आगंतुकों को पुस्तकालय के पुराने स्वरूप की झलक दिखाई जाएगी। इसमें पुस्तकालय की संगमरमर की सजावट के बचे हुए हिस्से प्रदर्शित किए गए हैं। दीवारों पर सफेद संगमरमर और फर्श तथा स्तंभों पर अलग–अलग रंगों के संगमरमर का इस्तेमाल किया गया था। दीवारों पर इमर्सिव वीडियो मैपिंग के जरिए पुस्तकालय के इतिहास और उसकी खोज की कहानी भी दिखाई जाएगी।



संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)

शहर समता
विधि सलाहकार
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
कल्पना श्रीवास्तव
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरगंज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।